PROGRAMME GUIDE

2019-20

MA Hindi (MHD)

CENTRE FOR DISTANCE AND OPEN LEARNING

Jamia Millia Islamia

(A Central University by an Act of Parliament)

NAAC Accredited Grade "A"

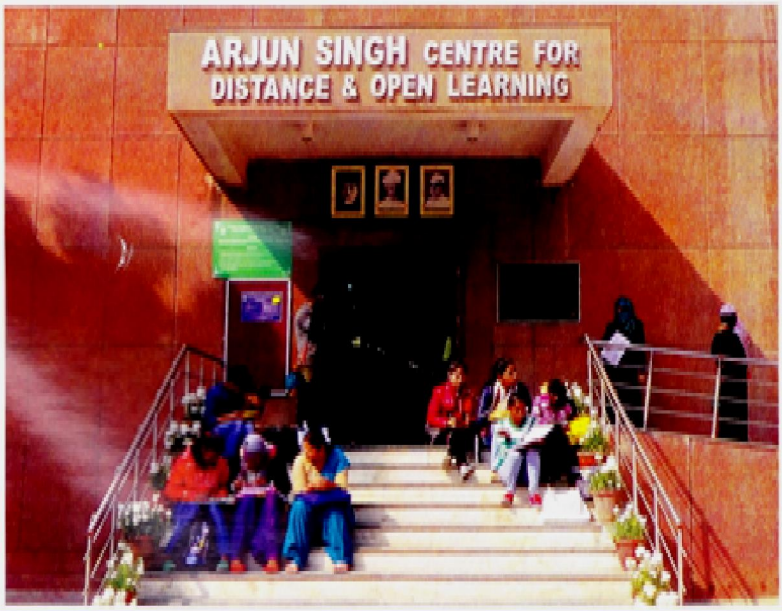

सीडीओएल संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

हमें आप सभी को दूर शिक्षा कार्यक्रम के तहत **एम.ए. हिन्दी** पाठ्यक्रम के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दूरस्थ एवं मुक्त अधिगम केन्द्र में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि शिक्षा राष्ट्र और व्यक्तित्व के विकास के लिए अनिवार्य हिस्सा है। विभिन्न सामाजिक संरचनात्मक समस्याओं, विभाजनकारी एवं प्रतिकूल सामाजिक व्यवस्था में हमारे ग्रस्त अस्तित्व को बचाने के लिए विभिन्न सरकारें संघर्षरत रही हैं। सामाजिक न्याय गाँधी जी का सपना था। नेहरू जी को सामाजिक समानता और समतावादी समाज के लिए शिक्षा ही एक उपयुक्त हथियार मिला था। दूरस्थ शिक्षा भारत भर में बहुआयामी साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए अपनाए जाने वाले साधनों में से एक है। यह न सिर्फ सामाजिक गतिशीलता और आजीवन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए है, बल्कि भारतीय समाज के बुनियादी मूल्यों, जैसे लोकतन्त्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और अवसर की समानता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

इन मूल्यों का समर्थन और साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता के साथ जामिया मिलिया इस्लामिया शिक्षार्थियों के दरवाजे तक प्रयासरत है। जामिया मिल्लियाया इस्लामिया का दूरस्थ एवं मुक्त अधिगम केन्द्र रोजगार उन्मुक्त उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समग्र नामांकन अनुपात के विकास की प्रक्रिया में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रशिक्षण के द्वारा महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रही है।

हम आपके शैक्षणिक प्रयासों में सफलता की कामना करता हूँ।

.

प्रोफेसर आर. पी. बहुगुणा
ऑनरेरी निदेशक (प्रशासनिक)

प्रोफेसर अहरार हुसैन
ऑनरेरी निदेशक (अकादमिक)

विषय–वस्तु

		पृष्ठ संख्या
1.	**पाठ्यक्रम के विषय में**	1
1.1	प्रस्तावना	1
1.2	कार्यक्रम की अवधि	1
1.3	निर्देश की भाषा	1
1.4	कार्यक्रम शुल्क	1
1.5	पाठ्यक्रम की विस्तृत संरचना	2
1.6	विस्तृत पाठ्यक्रम विवरण	4
2.	**परामर्श सत्र**	30
2.1	शिक्षण प्रणाली	31
3.	**एसएमएस**	31
4.	**अकादमिक सारणी**	31
5.	**अध्ययन केन्द्र**	31
6.	**मूल्यांकन योजना**	32
6.1	सत्रीय कार्य	32
6.2	सत्रांत (छमाही/अर्धवार्षिक) परीक्षा	32
6.2.1	सत्रांत (छमाही/अर्धवार्षिक) परीक्षा फॉर्म	33
6.2.2	छमाही/अर्धवार्षिक परीक्षा की दिनांक सारणी	33
7.	**छमाही/अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम**	33
7.1	परीक्षा परिणाम की घोषणा	33
7.2	परिवेदना (ग्रीवैन्स) समिति	34
7.3	कार्यक्रम के अगले छमाही/अर्धवार्षिक सत्र में प्रवेश हेतु	34
7.4	प्राप्तांकों का पुनर्मूल्यांकन	35
7.5	परीक्षा–परिणाम में सुधार	35
8.	**सामान्य निर्देश**	35
9.	**फॉर्म**	

कार्यक्रम संयोजक / सहायक निदेशक

सुश्री इमराना प्रवीन
दूरस्थ एवं मुक्त अधिगम केन्द
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली–110025
फोनः 26981717
एक्सटेंशन – 4229

डॉ॰ अब्दुल्ला मो॰ चिश्ती
उपनिदेशक (अकादमिक)
दूरस्थ एवं मुक्त अधिगम केन्द
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली–110025
फोनः 26981717
एक्सटेंशन – 4229

1. पाठ्यक्रम के विषय में

1.1 प्रस्तावना

विद्यार्थियों की विविध प्रकार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हमने एम॰ए॰ कार्यक्रम द्वारा रचनात्मक एवं आलोचनात्मक क्षमताओं तथा कौशलों का विकास करने को अध्ययन का आधार बनाया है। **एम॰ ए॰ हिन्दी** का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा और साहित्य की विस्तृत एवं ठोस जानकारी उपलब्ध कराना है, साथ ही वे साहित्य के आस्वादन और विश्लेषण–मूल्यांकन की अपनी क्षमता का विकास भी कर सकेंगें । हमारा प्रयत्न यह भी है कि विद्यार्थी अपनी रूचि के विशिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता भी प्राप्त करे जो उसके लिए ज्ञान एवं रोज़गार दोनों का मार्ग प्रशस्त करेगा। विशेषज्ञता के ऐसे क्षेत्र विद्यार्थियों को विकल्प के रूप में उपलब्ध होंगे जिनकी जानकारी आगे दी गई है।

1.2 कार्यक्रम की अवधि

एम॰ ए॰ (हिन्दी) कार्यक्रम को पूरा करने के लिए अवधि

कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि	4 छमाही(अर्धवार्षिक) / 2 वर्ष
कार्यक्रम की अधिकतम अवधि	8 छमाही(अर्धवार्षिक) / 4 वर्ष

1.3 निर्देश की भाषा : हिन्दी

1.4 कार्यक्रम का शुल्क

प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के प्रारम्भ में ₹ 10,000 प्रति वर्ष (दो छमाही / अर्धवार्षिक) का अग्रिम भुगतान किया जाना होगा।

1.5 पाठ्यक्रम की विस्तृत संरचना

इस शैक्षिक कार्यक्रम की संरचना चार स्तरीय होगी। प्रत्येक स्तर में अनिवार्य पाठ्यक्रम सम्मिलित है। प्रत्येक के लिए 400 अंक निर्धारित किए गए हैं। पाठ्यक्रम की विस्तृत संरचना का विवरण इस प्रकार है :–

सत्र – 1

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सी॰बी॰सी॰एस॰	क्रेडिट	अंक विवरण		
					सत्रांत परीक्षा	सत्रीय कार्य	पूर्णांक
1	DMLH-101	हिन्दी साहित्य का इतिहास		4	75	25	100
2	DMLH-102	मध्यकाल –I		4	75	25	100
3	DMLH-103	मध्यकाल –II		4	75	25	100
4	DMLH-104	वैकल्पिक पाठ्यक्रम (क) जायसी (ख) तुलसीदास (ग) घनानन्द *(घ) कबीर	DMLHX-11 **समकालीन कथा साहित्य	4 4	75 75	25 25	100 100
कुल अंक				**20**	**375**	**125**	**500**

** पाठ्यक्रम प्रबन्धन कार्यरत है।*
***पाठ्यक्रम परिवर्तन की सम्भावना है।*

सत्र – 2

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सी॰बी॰सी॰एस॰	क्रेडिट	अंक विवरण		
					सत्रांत परीक्षा	सत्रीय कार्य	पूर्णांक
1	DMLH-201	भारतीय एवं पाश्चात्य आधुनिक साहित्य सिद्धांत		4	75	25	100
2	DMLH-202	हिन्दी भाषा का इतिहास		4	75	25	100
3	DMLH-203	आधुनिक कविता –I		4	75	25	100
4	DMLH-204	वैकल्पिक पाठ्यक्रम (क) भारतेन्दु हरिशचन्द्र (ख) जयशंकर प्रसाद (ग) निराला *(घ) महादेवी वर्मा	DMLHX-201 **आधुनिक कविता	4 4	75 75	25 25	100 100
कुल अंक				**20**	**375**	**125**	**500**

** पाठ्यक्रम प्रबन्धन कार्यरत है।*
***पाठ्यक्रम परिवर्तन की सम्भावना है।*

सत्र – 3

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सी॰बी॰सी॰एस॰	क्रेडिट	अंक विवरण		
					सत्रांत परीक्षा	सत्रीय कार्य	पूर्णांक
1	DMLH-301	नाटक और रंगमंच		4	75	25	100
2	DMLH-302	आधुनिक कविता –II		4	75	25	100
3	DMLH-303	हिन्दी कहानी		4	75	25	100
4		**वैकल्पिक पाठ्यक्रम**	DMLHX-31 **गद्य विधाएँ	4	75	25	100
	DMLH-304	(क) फणीश्वरनाथ रेणु					
		(ख) अज्ञेय					
		(ग) हबीब तनवीर		4	75	25	100
		*(घ) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी					
कुल अंक				**20**	**375**	**125**	**500**

** पाठ्यक्रम प्रबन्धन कार्यरत है।*

***पाठ्यक्रम परिवर्तन की सम्भावना है।*

सत्र – 4

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सी॰बी॰सी॰एस॰	क्रेडिट	अंक विवरण		
					सत्रांत परीक्षा	सत्रीय कार्य	पूर्णांक
1	DMLH-401	हिन्दी आलोचना		4	75	25	100
2	DMLH-402	कथेतर गद्य		4	75	25	100
3	DMLH-403	हिन्दी उपन्यास		4	75	25	100
4	DMLH-404	वैकल्पिक पाठ्यक्रम	DMLHX-41 **नाटक एवं रंगमंच	4	75	25	100
		(क) भारतीय साहित्य					
		(ख) संस्कृत साहित्य		4	75	25	100
		(ग) उर्दू साहित्य					
		*(घ) लोक साहित्य					
कुल अंक				**20**	**375**	**125**	**500**

** पाठ्यक्रम प्रबन्धन कार्यरत है।*

***पाठ्यक्रम परिवर्तन की सम्भावना है।*

1.6 विस्तृत पाठ्यक्रम विवरण

प्रथम वर्ष

सत्र-1

पाठ्यक्रम 1 (DMLH-101) हिन्दी साहित्य का इतिहास

खण्ड-1 **हिन्दी साहित्येतिहास लेखन का परिचय**

इकाई–1. हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा

इकाई–2. साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ

इकाई–3. काल-विभाजन एवं नामकरण

इकाई–4. आदिकालीन साहित्य

खण्ड-2 **मध्यकाल**

इकाई–1. भक्तिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

इकाई–2. भक्ति की विविध धाराएँ

इकाई–3. रीतिकाल : दरबारी संस्कृति एवं सौन्दर्यबोध

इकाई–4. रीति साहित्य की विभिन्न धाराएँ

खण्ड-3 **आधुनिक काल**

इकाई–1. हिन्दी नवजागरण का विकास

इकाई–2. खड़ी बोली हिन्दी काव्य : भारतेन्दु युग, f}osnh युग, छायावाद, प्रगतिवाद प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, समकालीन कविता

खण्ड-4 **गद्य साहित्य**

इकाई–1. खड़ी बोली गद्य साहित्य का विकास

इकाई–2. नाटक, निबंध, उपन्यास, कहानी एवं अन्य विधाएँ

(उपर्युक्त सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अनुमोदित ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य और सम्वेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह
4. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	अवधेश प्रधान
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका	हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का आदिकाल	हजारीप्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. नगेन्द्र
9. साहित्य का इतिहास दर्शन	नलिन विलोचन शर्मा
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि	मैनेजर पाण्डेय
11. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि	महेन्द्रपाल शर्मा
12. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
13. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपतिचन्द्र गुप्त

14. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास विश्वनाथ त्रिपाठी

पाठ्यक्रम 2(DMLH-102) मध्यकाल-1

खण्ड-1 **भक्ति काव्य का परिचय**

इकाई–1. भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि

इकाई–2. भक्ति आंदोलन

इकाई–3. युगीन परिवेश

खण्ड-2 **भक्ति काव्य की अवधारणा**

इकाई–1. भक्ति का स्वरूप

इकाई–2. भक्ति काव्य की विभिन्न धाराएँ: संत काव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य

इकाई–3. लोक-सम्बद्धता और भक्ति काव्य

इकाई–4. भक्ति काव्य की भाषा

खण्ड-3 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. **कबीर**

पद

- हमारे गुर दीन्हीं अजब जरी
- दुलहिनी गावहु मंगलचार
- संतो ई मुरदन कै गाउं
- हम न मरैं मरिहैं संसारा
- रस गगन गुफा मैं अजर झरे

साखियाँ

- सतगुर मेरा सूरिवां
- जाके मुंह माथा नहीं
- पानी ही तैं हिम भया
- बिरहा बिरहा मत करौ

इकाई–2. **जायसी :** (मानसरोदक खंड, जायसी ग्रंथावली, सं. रामचन्द्र शुक्ल)

इकाई–3. **सूरदास**

पद

- अविगत गति कछु कहत न आवै
- संदेसो देवकी सों कहियो
- बूझत स्याम कौन तू गोरी
- आये जोग सिखावन पांड़े
- अंखिया हरि दरसन की भूखीं
- पिउ बिन नागिन कारी रात
- हरि हैं राजनीति पढ़ि आये
- ऊधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं

खण्ड -4 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. **तुलसीदास :** अयोध्या कांड (रामचरितमानस)
चलत पयादें खात फल... से लेकर राम सैल सोभा निरखि... तक, (छंद सं. 222 से 236)

इकाई–2. **रसखान : सवैया / दो सुखने**

- मानुष हौं तौ वही रसखानि
- वा लकुटी अरु कामरिया पर
- धूरि भरे अति सोभित स्यामजू
- जा दिन तें वह नंद को छोहरा
- उनहीं के सनेहन सानी रहैं
- खंजन नैन फंदे पिंचरा छबि
- काहू को माखन चाखि गयौ
- प्रेम प्रेम सब कोउ कहत
- अति सूछम कोमल अतिहि

इकाई–3. **मीरांबाई : पद**

- बसयां म्हारे णेणण मां नंदलाल
- म्हां गिरधर आगां णाच्यारी
- म्हारां री गिरधर गोपाल दूसरां णां कूयां
- नहिं सुख भावे थंरो देसलड़ो रंगरूड़ो
- राणाजी थे क्यांने राखो म्हांसूं बैर
- पग बांध घूंघर्यां णाच्यांरी
- राणो जी थे जहर दियो म्हे जाणी
- हेरी म्हा तो दरद दिवाणां

(मीरांबाई की पदावली : सं. परशुराम चतुर्वेदी)

निर्देश : खण्ड तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथः

1. कबीर	हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. जायसी	विजयदेव नारायण साही
3. सूफी मत : साधना और साहित्य	रामपूजन तिवारी
4. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति	श्यामसुंदर शुक्ल
5. जायसी	सं. सदानंद साही
6. सूरदास	रामचन्द्र शुक्ल
7. महाकवि सूरदास	नंददुलारे वाजपेयी
8. सूर साहित्य	हजारीप्रसाद f}osnh

9. गोस्वामी तुलसीदास	रामचन्द्र शुक्ल
10. गोसाईं तुलसीदास	विश्वनाथप्रसाद मिश्र
11. भक्ति काव्य और लोकजीवन	शिवकुमार मिश्र
12. भक्ति काव्य की भूमिका	प्रेमशंकर
13. लोकवादी तुलसीदास	विश्वनाथ त्रिपाठी
14. भक्ति काल में भारतीय रहस्यवाद	राधेश्याम दूबे
15. मीरां का काव्य	विश्वनाथ त्रिपाठी
16. सूरदास	मैनेजर पाण्डेय
17. कबीर अकेला	रमेशचन्द्र मिश्र
18. कबीर- अकथ कहानी प्रेम की	पुरुषोत्तम अग्रवाल

पाठ्यक्रम 3(DMLH-103) मध्यकाल-2

खण्ड -1 **रीतिकाव्य का परिचय**

इकाई–1. रीतिकालीन परिवेश और रीतिकाव्य

इकाई–2. दरबारी संस्कृति

इकाई–3. सामंती संस्कृति और लोक संस्कृति

इकाई–4. काव्य-रूप

खण्ड -2 **रीतिकाव्य का स्वरूप**

इकाई–1. लक्षण ग्रंथों का प्रभाव

इकाई–2. रीतिकाव्य की विभिन्न धाराएँ

इकाई–3. रीतिकालीन सौंदर्यबोध

इकाई–4. रीतिकाव्य की भाषा

खण्ड -3 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. **केशव दास : रामचंद्रिका - दूसरा प्रकाश**

इकाई–2. **देव : कवित्त - सवैया**

- देव सबै सुखदायक संपति
- औचक अगाध सिंधु स्याही को उमड़ि आयो
- रीझि-रीझि रहसि-रहसि हंसि-हंसि उठैं
- रावरो रूप रह्यो भरि नैननि
- बालम बिरह जिन जान्यो न जनम भरि
- सांसन ही सौं समीर गयो
- ऐसो जो हौं जानतो कि जैहै तू विषै के संग
- सांधी सुध बुंदन सौ कुन्दन की बेलि किधौं

इकाई–3. **बिहारी : दोहे**

- मेरी भव बाधा हरौ
- मैं समुझ्यौ निराधार

- अति अगाध अति औथरो
- आवत जात न जानियत
- तंत्री नाद कबित्त रस
- कहत नटत रीझत खिझत
- सहज सेत पंचतोरिया
- दृग उरझत टूटत कुटुम
- औंधाई सीसी सु लखि
- अजौं तर्यौना ही रह्यो
- जौ वाके तन की दसा
- घाम घरीक निवारियै

खण्ड -4 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. **घनानंद : कवित्त-सवैया**

(घनानंद कवित्त : सं.आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

- जासों प्रति ताहि निठुराई सों निपट नेह
- हीन भएं जल मीन अधीन
- पहिलें घनआनंद सींचि सुजान
- रावरे रूप की रीति अनूप
- आसा-गुन बांधि कै भरोसो-सिल धरि छाती
- नैनन में लागे जाय, जागे सु करेजे बीच
- अति सूधो सनेह को मारग है
- उर-भौन मैं मौन को घूंघट कै

इकाई–2. **पद्माकर : कवित्त-सवैया**

- घर ना सुहात ना सुहात बन-बाहर हू
- गोकुल के कुल के गली के गोप-गांवन के
- जाहिरै जागत सी जमुना, जब बूड़े
- बोलति न काहे एरी, पूछे बिन बोलौ कहा
- कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में
- औरै भांति कुंजन में गुंजरत भौंर-भीर
- लागत बसंत के सु पाती लिखी प्रीतम कों
- फाग के भीर अभीरन मैं

इकाई–3. **रहीम : बरवै**

- बंदौं देबि सरदवा
- लहरत लहर लहरिया
- खीन मलीन बिखभैया
- कासों कहौं संदेसवा
- लैके सुघर खुरपिया

- लोग लुगाई हिल मिल

दोहे

- अच्युत चरन तरंगिनी
- कदली सीप भुजंग मुख
- खीरा सिर तें काटिये
- छिमा बड़ेन को चाहिए
- रहिमन प्रीति सराहिये
- रहिमन याचकता गहे
- ये रहीम दर दर फिरहिं

निर्देश : खण्ड तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. रहीम रचनावली	सं. विद्यानिवास मिश्र
2. घनानन्द का काव्य	रामदेव शुक्ल
3. दरबारी संस्कृति और हिन्दी मुक्तक	त्रिभुवन सिंह
4. बिहारी : नया मूल्यांकन	बच्चन सिंह
5. सनेह को मारग	इमरै बंघा
6. हिन्दी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पाठ्यक्रम 4 (DMLH-104) **(क) जायसी**

खण्ड -1 **सूफीमत का परिचय**

इकाई–1. भारत में सूफीमत का विकास

इकाई–2. मध्यकालीन भक्ति साधना और सूफीमत

इकाई–3. सूफीमत की परम्परा

इकाई–4. फारसी और हिन्दी सूफी काव्य

इकाई–5. रहस्यवाद

खण्ड - 2 **जायसी और सूफीमत**

इकाई–1. सूफी प्रेमाख्यान की परम्परा और जायसी का काव्य

इकाई–2. जायसी की कविता में लोक तत्व

इकाई–3. सूफीमत और जायसी की कविता

इकाई–4. काव्य रूप और काव्य भाषा

खण्ड - 3 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. पद्मावत -सं. रामचन्द्र शुक्ल

- प्रेम खंड
- सिंहलदीप खंड

- नागमती वियोग खंड
- पद्मावती-नागमती-सती खंड

खण्ड - 4 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. अखरावट, सं. रामचन्द्र शुक्ल : छंदः 1-15

इकाई–2. आखिरी कलाम, सं. रामचन्द्र शुक्ल : छंदः 14-28

निर्देश : खण्ड तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ

1. जायसी	विजयदेव नारायण साही
2. जयासी ग्रंथावली(भूमिका)	रामचन्द्र शुक्ल
3. हिन्दी सूफी काव्य का समस्त अनुशीलन	शिव सहाय पाठक
4. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य	शिव सहाय पाठक
5. सूफी मत साधना और साहित्य	रामपूजन तिवारी
6. हिन्दी के सूफी प्रेमाख्यान	चन्द्रबली पाण्डेय
7. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान	श्याम मनोहर पाण्डेय
8. मध्ययुगीन रोमांचक आख्यान	नित्यानंद तिवारी
9. मध्यकालीन कविता में सांस्कृतिक समन्वय	अब्दुल बिस्मिल्लाह

पाठ्यक्रम 4 (DMLH-104) (ख) तुलसीदास

खण्ड - 1 **भक्तिकाल और तुलसी**

इकाई–1. भक्तिकालीन परिवेश और तुलसी की कविता

इकाई–2. तुलसी की भक्ति

इकाई–3. तुलसी का दर्शन

इकाई–4. वर्ण व्यवस्था एवं तुलसी का समाज

खण्ड - 2 **तुलसी-काव्य की प्रवृत्तियाँ**

इकाई–1. लोकमंगल एवं समन्वय की भावना

इकाई–2. रामकाव्य की परम्परा और तुलसी

इकाई–3. काव्य-रूप एवं काव्य-भाषा

इकाई–4. तुलसीदास का सौन्दर्यबोध

खण्ड - 3 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. रामचरितमानस (गीता प्रेस) : बालकांड (जनक वाटिका प्रसंग- 227 से 239 तक)

इकाई–2. विनय पत्रिका (गीता प्रेस) : पद सं.66, 72, 73, 76, 79, 105, 111, 157, 162, 174

खण्ड - 4 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. कवितावली (गीता प्रेस) : बालकांड- 1, 3, 5

अयोध्या कांड 1, 2

उत्तर कांड 96, 97, 98, 99, 100

इकाई–2. रामलला नहछू (गीता प्रेस) : सम्पूर्ण

निर्देश : खण्ड तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ

1. गोस्वामी तुलसीदास	रामचन्द्र शुक्ल
2. गोसाईं तुलसीदास	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. लोकवादी तुलसीदास	विश्वनाथ त्रिपाठी
4. तुलसी दर्शन मीमांसा	उदयभानु सिंह
5. भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास	रामविलास शर्मा
6. तुलसी आधुनिक वातायन से	रमेशकुंतल मेघ
7. मध्यकालीन कविता में सांस्कृतिक समन्वय	अब्दुल बिस्मिल्लाह

पाठ्यक्रम 4(DMLH-104) (ग) घनानंद

खण्ड - 1 **रीतिकाल और घनानंद**

इकाई–1. रीतिकालीन परिवेश और घनानंद

इकाई–2. रीतिकाव्य की परम्परा में घनानंद

इकाई–3. रीतिमुक्त काव्य धारा और घनानंद

इकाई–4. घनानंद का प्रेम विषयक दृष्टिकोण

खण्ड - 2 **घनानंद का काव्यबोध**

इकाई–1. घनानंद की प्रेमानुभूति

इकाई–2. घनानंद की विरहानुभूति

इकाई–3. घनानंद का काव्य-सौंदर्य

इकाई–4. घनानंद की काव्य-भाषा

खण्ड -3 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. **कवित्त सवैया**

छंद सं. - 1, 6, 12, 13, 15, 16, 23, 27, 33, 34, 39, 43, 51, 59, 60, 68, 70, 82, 84, 86, 91, 92, 93, 97, 104.

खण्ड - 4 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. **कवित्त सवैया**

छंद सं. 106, 128, 131, 135, 146, 152, 159, 163, 169, 186, 189, 195, 205, 208, 212, 267, 274, 324, 428, 435, 478, 491, 493, 496, 500.

(घनानंद कवित्त : सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

निर्देश : खण्ड तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ

1.	घनानंद का काव्य	रामदेव शुक्ल
2.	सनेह को मारग	इमरे बंघा
3.	दरबारी संस्कृति और हिन्दी मुक्तक	त्रिभुवन सिंह
4.	रीति काव्य की भूमिका	नगेन्द्र
5.	हिन्दी साहित्य और सम्वेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
6.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह

सत्र-2

पाठ्यक्रम 5(DMLH-201) भारतीय एवं पाश्चात्य आधुनिक साहित्य सिद्धांत

खण्ड - 1 **भारतीय साहित्य सिद्धांत : विभिन्न सम्प्रदाय**

इकाई–1. रस

इकाई–2. अलंकार

इकाई–3. रीति

इकाई–4. ध्वनि

इकाई–5. वक्रोक्ति

खण्ड - 2 **आधुनिक पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत -।**

इकाई–1. अभिव्यंजनावाद

इकाई–2. कल्पना सिद्धांत

इकाई–3. मार्क्सवादी साहित्य सिद्धांत

इकाई–4. रूपवाद

खण्ड - 3 **आधुनिक पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत -॥**

इकाई–1. मनोविश्लेषणवादी सिद्धांत

इकाई–2. अस्तित्ववादी साहित्य सिद्धांत

इकाई–3. नई समीक्षा

खण्ड - 4 **आधुनिक पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत -॥।**

इकाई–1. आधुनिकतावाद

इकाई–2. संरचनावाद

इकाई–3. उत्तर-संरचनावाद

निर्देश : उपर्युक्त सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	काव्यशास्त्र की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
2.	भारतीय काव्यशास्त्र	सत्यदेव चौधरी
3.	नई समीक्षा के प्रतिमान	निर्मला जैन
4.	साहित्य चिंतन	देवेन्द्र इस्सर
5.	पाश्चात्य साहित्य चिंतन	निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
6.	मार्क्सवाद क्या है	यशपाल

7.	आज के जमाने में मार्क्सवाद का महत्व	एजाज़ अहमद
8.	संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र	गोपीचंद नारंग
9.	मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	डॉ. शिवकुमार मिश्र
10.	आधुनिक परिवेश और अस्तित्ववाद	शिवप्रसाद सिंह
11.	वित्तीय पूँजी और उत्तर-आधुनिकता	राजेश्वर सक्सेना
12.	अस्तित्ववाद और मानववाद	ज्यां पॉल सार्त्र
13.	आधुनिकतावाद और साहित्य	दुर्गा प्रसाद गुप्त
14.	आधुनिकतावाद	दुर्गा प्रसाद गुप्त
15.	उत्तर-आधुनिकता और उत्तर-संरचनावाद	सुधीश पचौरी
16.	साहित्य सिद्धांत	रेनेवेलेक, ऑस्टिन वारेन
17.	उत्तर-आधुनिकता : विभ्रम और यथार्थ	रवि श्रीवास्तव
18.	आधुनिकतावाद और यथार्थवाद	दुर्गा प्रसाद गुप्त

पाठ्यक्रम 6(DMLH-202) हिन्दी भाषा का इतिहास

खण्ड -1 हिन्दी भाषा का विकास

इकाई–1. प्रमुख भाषा परिवार और हिन्दी

इकाई–2. हिन्दी का प्रारम्भिक रूप

इकाई–3. अवहट्ठ और पुरानी हिन्दी

इकाई–4. डिंगल और पिंगल

खण्ड -2 हिन्दी की प्रमुख विभाषाएँ और बोलियाँ

इकाई–1. विभाषा- पूर्वी हिन्दी, पश्चिमी हिन्दी, बिहारी, राजस्थानी और पहाड़ी

इकाई–2. प्रमुख बोलियाँ: ब्रज, अवधी, भोजपुरी

खण्ड -3 हिन्दी भाषा के प्रमुख रूप

इकाई–1. रेख्ता

इकाई–2. हिन्दवी

इकाई–3. दकनी

इकाई–4. खड़ी बोली : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी

खण्ड -4 आधुनिक युग में हिन्दी

इकाई–1. अंग्रेजों की भाषा-नीति

इकाई–2. खड़ीबोली आंदोलन

इकाई–3. हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी के अंतःसंबंध

इकाई–4. राजभाषा के रूप में हिन्दी

निर्देश : उपर्युक्त सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	हिन्दी भाषा का इतिहास	डॉ. भोलानाथ तिवारी
2.	भारतीय भाषा विज्ञान	आचार्य किशोरीदास वाजपेयी
3.	हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास	हरदेव बाहरी
4.	हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

5. भाषा और समाज — रामविलास शर्मा
6. भारत की भाषा समस्या — रामविलास शर्मा
7. हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास — उदयनारायण तिवारी
8. भाषाशास्त्र की रूपरेखा — उदयनारायण तिवारी
9. पुरानी हिन्दी — चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
10. हिन्दी भाषा — श्यामसुंदर दास
11. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग — नामवर सिंह

पाठ्यक्रम 7(DMLH-203) आधुनिक कविता -।

खण्ड - 1 **नवजागरणकालीन हिन्दी काव्य**

इकाई–1. नवजागरण का स्वरूप और विकास

इकाई–2. नवजागरण और सामाजिक-सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना

इकाई–3. भारतेन्दु युगीन काव्य

इकाई–4. द्विवेदी युगीन काव्य

खण्ड - 2 **छायावाद की प्रवृत्तियाँ**

इकाई–1. छायावाद

इकाई–2. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा

इकाई–3. आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ

इकाई–4. आधुनिक कविता का सौन्दर्यबोध

खण्ड - 3 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. **भारतेंदु हरिश्चन्द्र** : हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान

इकाई–2. **मैथिलीशरण गुप्त** : साकेत (नवम सर्ग से)

- वेदने तू भी भली बनी
- मैं निज अलिंद में खड़ी थी
- लाई सखि मालिनें थीं डाली
- निरख सखी ये खंजन आए
- पूछी थी सुकाल दशा मैंने आज देवर से
- हम राज्य लिए मरते हैं
- प्रभु को निष्कासन मिला
- शिशिर न फिर गिरि वन में
- मुझे फूल मत मारो
- यही आता है इस मन में

इकाई–3. **जयशंकर प्रसाद** : लज्जा सर्ग (कामायनी)

खण्ड - 4 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. **सुमित्रानंदन पंत** : प्रथम रश्मि, बादल, सांध्य तारा

इकाई–2. **निराला** : जूही की कली, सरोज-स्मृति

इकाई–3. **महादेवी वर्मा** :

- मैं नीर भरी दुख की बदली,
- बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ
- कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो,

- पंथ होने दो अपरिचित
- रात के उर में दिवस की चाह का शर हूँ

इकाई–4. **दिनकर :** 'रथ सजा, भेरियाँ धमक उठीं' से लेकर 'संहार देह धर खड़ा जहाँ' तक (सप्तम सर्ग- रश्मिरथी)

निर्देश : **खण्ड** तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी **खण्डों** से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	रामविलास शर्मा
2.	महावीर प्रसाद और हिन्दी नवजागरण	रामविलास शर्मा
3.	कविता से साक्षात्कार	मलयज
4.	लम्बी कविताओं का रचनाविधान	सं. नरेन्द्र मोहन
5.	साकेत : एक अध्ययन	डॉ. नगेन्द्र
6.	निराला की साहित्य साधना	रामविलास शर्मा
7.	कामायनी : एक पुनर्मूल्यांकन	रामस्वरूप चतुर्वेदी
8.	सुमित्रानंदन पंत	डॉ. नगेन्द्र
9.	कवि सुमित्रानंदन पंत	नंददुलारे वाजपेयी
10.	महादेवी वर्मा	इन्द्रनाथ मदान
11.	पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त	रामधारी सिंह दिनकर
12.	कामायनी : एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध
13.	मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत:सूत्र	कृष्णदत्त पालीवाल
14.	महादेवी की रचना प्रक्रिया	कृष्णदत्त पालीवाल
15.	महादेवी	दूधनाथ सिंह
16.	महादेवी के काव्य का नेपथ्य	विजय बहादुर सिंह

पाठ्यक्रम 8 (DMLH-204) (क)भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

खण्ड - 1 **आधुनिक काव्य और भारतेन्दु**

इकाई–1. औपनिवेशिकता और भारतेन्दु हरिश्चंद्र

इकाई–2. हिन्दी नवजागरण एवं भारतेन्दु

इकाई–3. भारतेन्दु मंडल की भूमिका

इकाई–4. आधुनिकता और नई भाषा की निर्मिति

खण्ड - 2 **भारतेन्दु : विविध विधाएँ**

इकाई–1. हिन्दी पत्रकारिता और भारतेन्दु

इकाई–2. भारतेन्दु की कविता

इकाई–3. भारतेन्दु के नाटक

इकाई–4. भारतेन्दु के निबंध

खण्ड - 3 **कविताएँ**

- प्रेम सरोवर
- प्रबोधिनी
- नये जमाने की मुकरी
- हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान

- प्रात समीरन

खण्ड - 4 **नाटक**

- भारत दुर्दशा
- विषस्य विषमौषधम्
- नीलदेवी

निबंध

- स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन
- भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है
- जातीय संगीत
- लेवी प्राण लेवी

यात्रा वृत्तांत : सरयूपार की यात्रा

निर्देश : खण्ड -3 से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी **खण्डों** से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	रामविलास शर्मा
2. हरिश्चंद्र	शिवनंदन सहाय
3. हिन्दी नवजागरण और संस्कृति	शंभुनाथ
4. नाटककार भारतेन्दु की रंग कल्पना	सत्येन्द्र तनेजा
5. भारतेन्दु के नाटक	भानुदेव शुक्ल
6. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य	धीरेन्द्र कुमार शुक्ल
7. रस्साकशी	वीरभारत तलवार
8. हिन्दी नवजागरण	वीरभारत तलवार

पाठ्यक्रम 8 (DMLH-204) (ख) जयशंकर प्रसाद

खण्ड - 1 **नवजागरण और जयशंकर प्रसाद**

इकाई–1. नवजागरणकालीन परिवेश और प्रसाद

इकाई–2. नवजागरण, राष्ट्रीयता और प्रसाद

इकाई–3. छायावादी काव्य-दृष्टि और प्रसाद

इकाई–4. प्रसाद का इतिहास-बोध

खण्ड - 2 **प्रसाद-काव्य की प्रवृत्तियाँ**

इकाई–1. प्रसाद की दार्शनिक चेतना

इकाई–2. महाकाव्य, आख्यान और आधुनिकता

इकाई–3. प्रसाद की नाट्य चेतना

इकाई–4. भाषिक चेतना एवं काव्य रूप

खण्ड - 3 **कविताएँ**

इकाई–1. **कामायानी** : चिंता सर्ग

इकाई–2. आँसू :

- इस करुणा कलित हृदय में

- ये सब स्फुलिंग हैं मेरी
- जो घनीभूत पीड़ा थी
- शशि मुख पर घूंघट डाले
- बाँधा था विधु को किसने
- मुख-कमल समीप सजे थे
- मानव जीवन वेदी पर
- सबका निचोड़ लेकर तुम

इकाई–3. प्रलय की छाया

इकाई–4. अरुण यह मधुमय देश

इकाई–5. बीती विभावरी

खण्ड - 4 **गद्य साहित्य**

इकाई–1. उपन्यास : कंकाल

इकाई–2. कहानियाँ : 1. ग्राम 2. गुंडा 3. आकाशदीप

इकाई–3. नाटक : 1. चंद्रगुप्त 2. ध्रुवस्वामिनी

निर्देश : खण्ड तीन से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ

1. जयशंकर प्रसाद	नन्ददुलारे वाजपेयी
2. प्रसाद का काव्य	प्रेमशंकर
3. छायावाद	नामवर सिंह
4. कामायनी : एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध
5. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन	रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. छायावाद की प्रासंगिकता	रमेशचन्द्र शाह

पाठ्यक्रम : 8 (DMLH-204) (ग) निराला

खण्ड - 1 **नवजागरण और निराला**

इकाई–1. निराला का युगीन परिदृश्य

इकाई–2. नवजागरण, स्वाधीनता आंदोलन और निराला

इकाई–3. छायावादी काव्य संस्कार और निराला

इकाई–4. निराला की प्रगतिशीलता और नया मानवतावाद

खण्ड - 2 **निराला काव्य की प्रवृत्तियाँ**

इकाई–1. सामंतवाद और उपनिवेशवाद

इकाई–2. निराला का आत्मसंघर्ष और काव्य चेतना

इकाई–3. गीत, प्रगीत और मुक्त छंद

इकाई–4. निराला की भाषा

खण्ड - 3 **कविताएँ** :

इकाई–1. राम की शक्तिपूजा

इकाई–2. सरोज स्मृति

इकाई–3. (प्रिय) यामिनी जागी

इकाई–4. जागो फिर एक बार (दोनों भाग)

इकाई–5. भिक्षुक

इकाई–6. बांधो न नाव इस ठाँव बंधु

खण्ड - 4 **गद्य साहित्य :**

इकाई–1. **उपन्यास**

- अलका
- कुल्ली भाट

इकाई–2. **कहानियाँ**

- देवी
- अर्थ

इकाई–3. **निबंध**

- मेरे गीत और कला
- हिन्दू-मुस्लिम कवियों का विचार साम्य

निर्देश : **खण्ड** तीन से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी **खण्डों** से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ

1. निराला की साहित्य साधना(तीनों भाग)	रामविलास शर्मा
2. निराला : एक पुनर्मूल्यांकन	धनंजय वर्मा
3. निराला : एक आत्महंता आस्था	दूधनाथ सिंह
4. क्रांतिकारी कवि निराला	बच्चन सिंह
5. निराला	रामविलास शर्मा
6. साहित्य स्रष्टा निराला	राजकुमार सैनी
7. निराला की जातीय चेतना	नीरज कुमार

द्वितीय वर्ष

सत्र-3

पाठ्यक्रम 9 (DMLH-301) नाटक और रंगमंच

खण्ड - 1 **नाटक : परंपरा और विकास**

इकाई–1. नाटक और रंगमंच : स्वरूप एवं संरचना

इकाई–2. नाटक की भारतीय परम्परा

इकाई–3. नाटक की पाश्चात्य परम्परा

इकाई–4. पारसी थिएटर

इकाई–5. हिन्दी नाटक का विकास

खण्ड - 2 **हिन्दी रंगमंच**

इकाई–1. हिन्दी रंगमंच का विकास

इकाई–2. हिन्दी रंगमंच के विकास में अनूदित नाटकों की भूमिका

इकाई–3. रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ

इकाई–4. रंगभाषा

खण्ड - 3 **निर्धारित नाटक**

इकाई–1. अंधेर नगरी भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

इकाई–2. स्कंदगुप्त जयशंकर प्रसाद

खण्ड - 4 **निर्धारित नाटक**

इकाई–1. आधे-अधूरे मोहन राकेश

इकाई–2. अंधा युग धर्मवीर भारती

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुमोदित ग्रंथ

1. नाटक और रंगमंच — सं. गिरिश रस्तोगी
2. रंग दर्शन — नेमिचंद जैन
3. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास — दशरथ ओझा
4. हिन्दी नाटक — बच्चन सिंह
5. आज के रंग नाटक — सं. सुरेश अवस्थी
6. रंगभाषा — नेमिचंद्र जैन
7. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना — सत्येन्द्र तनेजा
8. प्रसाद का नाट्य-कर्म — सत्येन्द्र तनेजा

पाठ्यक्रम 10 (DMLH-302) आधुनिक कविता -2

खण्ड - 1 **छायावादोत्तर काव्य का परिचय**

इकाई–1. छायावादोत्तर काव्य आंदोलनों की पृष्ठभूमि

इकाई–2. प्रगतिवादी कविता

इकाई–3. प्रयोगवादी कविता

इकाई–4. नई कविता

खण्ड - 2 **स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता**

इकाई–1. साठोत्तरी कविता

इकाई–2. समकालीन कविता

इकाई–3. प्रमुख विचारधाराएँ

इकाई–4. काव्य-भाषा

खण्ड - 3 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. अज्ञेय : हरी घास पर क्षण भर, दीप अकेला, नदी के द्‌वीप

इकाई–2. नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है

इकाई–3. मुक्तिबोध : ब्रह्मराक्षस, भूल गलती

खण्ड - 4 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. शमशेर बहादुर सिंह : एक पीली शाम, बात बोलेगी, टूटी हुई बिखरी हुई

इकाई–2. धूमिल : मोचीराम, शब्द जहाँ सक्रिय हैं

इकाई–3. रघुवीर सहाय : रामदास, अधिनायक

इकाई–4. विष्णु खरे : लालटेन जलाना, इकबाल, बेटी

निर्देश : खण्ड तीन और चार से व्यावहारिक समीक्षा एवं सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ

1.	कविता के नये प्रतिमान	नामवर सिंह
2.	नई कविता का आत्मसंघर्ष	मुक्तिबोध
3.	समकालीन कविता का व्याकरण	परमानन्द श्रीवास्तव
4.	कविता का जनपद	अशोक वाजपेयी
5.	आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	नामवर सिंह
6.	नई कविता और अस्तित्ववाद	रामविलास शर्मा
7.	प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य	रेखा अवस्थी
8.	कविता का अर्थात	परमानन्द श्रीवास्तव
9.	शमशेर का काव्यलोक	जगदीश कुमार
10.	अज्ञेय की काव्य तितिर्षा	नन्दकिशोर आचार्य
11.	मुक्तिबोध की कविताई	अशोक चक्रधर
12.	मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना	नन्दकिशोर आचार्य
13.	नागार्जुन का रचना संसार	विजय बहादुर सिंह
14.	फिलहाल	अशोक वाजपेयी
15.	मुक्तिबोध : स्वप्न और संघर्ष	कृष्णमोहन
16.	नई कविता के अंक	सं. जगदीश गुप्त

पाठ्यक्रम 11 (DMLH-303)हिन्दी कहानी

खण्ड - 1 **कहानी का विकास**

इकाई–1. आख्यान और कथा-संरचना

इकाई–2. आख्यायिका, कथा और कहानी

इकाई–3. प्रारम्भिक हिन्दी कहानी

इकाई–4. हिन्दी कहानी पर विभिन्न विचारधाराओं का प्रभाव

खण्ड - 2 **हिन्दी कहानी का विकास**

इकाई–1. स्वाधीनता-पूर्व कहानी

इकाई–2. नई कहानी एवं अन्य कहानी आंदोलन

इकाई–3. समकालीन कहानी

खण्ड - 3 **निर्धारित कहानियाँ**

इकाई–1.	दुलाई वाली	बंग महिला
इकाई–2.	उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
इकाई–3.	नशा	प्रेमचन्द
इकाई–4.	देवरथ	जयशंकर प्रसाद

इकाई–5. उसकी माँ पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई–6. विपथगा अज्ञेय

खण्ड - 4 **निर्धारित कहानियाँ**

इकाई–1. लंदन की एक रात निर्मल वर्मा

इकाई–2. डिप्टी कलक्टरी अमरकांत

इकाई–3. अमृतसर आ गया है भीष्म साहनी

इकाई–4. यही सच है मन्नू भंडारी

इकाई–5. हास्य रस ज्ञानरंजन

इकाई–6. पार्टीशन स्वयं प्रकाश

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ

1. कहानी नयी कहानी नामवर सिंह
2. आज की हिन्दी कहानी विजय मोहन सिंह
3. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति देवीशंकर अवस्थी
4. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार विश्वनाथ त्रिपाठी
5. कहानी : समकालीन चुनौतियाँ शम्भू गुप्त
6. हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश मधुरेश
7. समकालीन कहानी का रचना विधान गंगाप्रसाद विमल
8. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान रामदरश मिश्र
9. समकालीन हिन्दी कहानी पुष्पपाल सिंह
10. कहानी समय कृष्णमोहन

पाठ्यक्रम 12 (DMLH-304) (क) फणीश्वरनाथ रेणु

खण्ड - 1 **रेणु और उनका समाज**

इकाई–1. स्वाधीन भारत का ग्राम-समाज

इकाई–2. रेणु की आंचलिकता

इकाई–3. रेणु की विचारधारा

खण्ड - 2 **रेणु की कथा-संकल्पना**

इकाई–1. रेणु और याथार्थवाद

इकाई–2. रेणु की पात्र परिकल्पना

इकाई–3. रेणु की कथा-भाषा

खण्ड - 3 **निर्धारित उपन्यास**

इकाई–1. मैला आंचल

इकाई–2. परती परिकथा

खण्ड - 4 **निर्धारित कहानियाँ एवं रिपोर्ताज**

इकाई–1. **कहानियाँ :** ठुमरी (कहानी संग्रह)

इकाई–2. **रिपोर्ताज :** पटना- जलप्रलय उर्फ धनजल

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुमोदित ग्रंथ

1. रेणु संचयन	सुवास कुमार
2. मैला आंचल की रचना प्रक्रिया	देवेश ठाकुर
3. फणीश्वरनाथ रेणु	सुरेन्द्र चौधरी
4. आंचलिकता, यथार्थवाद और फणीश्वरनाथ रेणु	सुवास कुमार
5. फणीश्वरनाथ रेणु अर्थात मृदंगिए का मर्म	सं. भारत यायावर
6. हिन्दी के आंचलिक उपन्यासों में जीवनसत्य	इन्दु प्रकाश पाण्डेय
7. रेणु से भेंट	सं. भारत यायावर

पाठ्यक्रम 12 (DMLH-304) (ख) अज्ञेय

खण्ड - 1 **अज्ञेय का समय एवं समाज**

इकाई–1. तार सप्तक और अज्ञेय

इकाई–2. प्रयोगवाद और अज्ञेय

इकाई–3. कवि अज्ञेय

इकाई–4. अज्ञेय और व्यक्तिवाद

इकाई–5. अज्ञेय की काव्य-भाषा

खण्ड - 2 **विचारधारा एवं गद्य रूप**

इकाई–1. अज्ञेय की साहित्य-दृष्टि

इकाई–2. कथाकार अज्ञेय

इकाई–3. अज्ञेय का गद्य

इकाई–4. अज्ञेय की कथा-भाषा

खण्ड - 3 **निर्धारित कविताएँ**

- असाध्य वीणा
- हरी घास पर क्षण भर
- नदी के द्वीप
- पहला दौंगरा
- कलगी बाजरे की
- सोन-मछली
- नाच
- कितनी नावों में कितनी बार

खण्ड - 4 **निर्धारित कथा-साहित्य**

इकाई–1. **उपन्यास** शेखर : एक जीवनी (दोनों भाग)

इकाई–2. **कहानी** रोज़, शरणदाता, जयदोल

इकाई–3. **यात्रा वृत्तांत** एक बूँद सहसा उछली (एक यूरोपीय चिंतक से भेंट) अरे यायावर रहेगा याद (मांझुली)

निर्देश : खण्ड 3 से व्यावहारिक समीक्षा एवं सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुमोदित ग्रंथ

1. वागर्थ का वैभव	रमेशचन्द्र शाह
2. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा	नन्दकिशोर आचार्य
3. अज्ञेय : काव्य का मूल्यांकन	चन्द्रकांत वांदिवडेकर
4. अज्ञेय : कवि कर्म का संकट	कृष्णदत्त पालीवाल
5. अज्ञेय : विचार का स्वराज्य	कृष्णदत्त पालीवाल
6. शब्दपुरुष अज्ञेय	नरेश मेहता
7. अज्ञेय : वन का छंद	गिरीश्वर मिश्र
8. अज्ञेय : आधुनिक रचना की समस्या	रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. अज्ञेय : एक अध्ययन	भोला भाई पटेल
10. अज्ञेय : साहित्य और चिंतन	प्रेम सिंह
11. अज्ञेय	सं. विश्वनाथ तिवारी
12. अज्ञेय कुछ रंग कुछ राग	श्रीलाल शुक्ल
13. अज्ञेय की जीवन दृष्टि	केदार शर्मा
14. अज्ञेय अपने बारे में	रघुवीर सहाय, गोपालदास

पाठ्यक्रम 12(DMLH-304) (ग) हबीब तनवीर

खण्ड - 1 **रंगमंच और हबीब तनवीर**

इकाई–1. हिन्दी रंगमंच का विकास

इकाई–2. रंगकर्म की परम्परा और हबीब तनवीर

इकाई–3. विभिन्न रंगशैलियाँ और हबीब तनवीर

इकाई–4. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य

खण्ड - 2 **हबीब तनवीर की रंग-दृष्टि**

इकाई–1. नया थियेटर

इकाई–2. रंगकर्मी हबीब तनवीर

इकाई–3. हबीब तनवीर की रंग-भाषा

इकाई–4. हबीब तनवीर की नाट्य-दृष्टि

इकाई–5. हबीब तनवीर की विचारधारा

खण्ड - 3 **निर्धारित नाटक**

इकाई–1. आगरा बाजार

इकाई–2. चरणदास चोर

खण्ड - 4 **निर्धारित नाटक**

इकाई–1. राजा हिरमा की अमर कहानी

इकाई–2. बहादुर कलारिन

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ

1. हमने हबीब को देखा है	सं. राजेन्द्र शर्मा

2.	रंग हबीब	भारतरत्न भार्गव
3.	रंग दस्तावेज़ सौ साल (दो खंड)	सं. महेश आनंद
4.	उर्दू थियेटर : कल और आज	सं. मख़मूर सईदी अनीस आज़मी
5.	रंग भाषा	नेमिचन्द्र जैन
6.	भारतीय रंगकोष (दो खंड)	प्रतिभा अग्रवाल
7.	परम्पराशील नाट्य	जगदीशचन्द्र माथुर
8.	'रंग प्रसंग' (हबीब तनवीर विशेषांक)	सं. प्रयाग शुक्ल
9.	'सापेक्ष' (हबीब तनवीर विशेषांक)	सं. महावीर अग्रवाल

सत्र-4

पाठ्यक्रम 13(DMLH-401) हिन्दी आलोचना

खण्ड - 1 आलोचना की अवधारणा

इकाई–1. आलोचना का स्वरूप

इकाई–2. प्रारम्भिक हिन्दी आलोचना

खण्ड - 2 शुक्लयुगीन आलोचना

इकाई–1. आचार्य शुक्ल की आलोचना और साहित्य-दृष्टि

इकाई–2. हजारी प्रसाद द्विवेदी : परम्परा का मूल्यांकन इतिहास-दृष्टि मध्ययुगीनता की अवधारणk : नन्ददुलारे वाजपेयी और डॉ. नगेन्द्र की आलोचना

खण्ड - 3 शुक्लोत्तर आलोचना

इकाई–1. प्रगतिशील आलोचनाः रामविलास शर्मा, शिवदान सिंह चौहान और नामवर सिंह,

इकाई–2. समकालीन आलोचनाः मैनेजर पा.डेय, देवी शंकर अवस्थी, मलयज

खण्ड - 4 कवि - आलोचक एवं कथा आलोचन

इकाई–1. कवि- आलोचक की अवधारण-मुक्तिबोध-अज्ञय,शमशेर, विजयदेव नारायण साही अशोक वाजपेयी,

इकाई–2. हिन्दी कथा-आलोचना की समस्याएँ

इकाई–3. पुस्तक समीक्षा

निर्देश : सभी **खण्डों** से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	इतिहास और आलोचना	नामवर सिंह
2.	आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द	बच्चन सिंह
3.	हिन्दी आलोचना : बीसवीं सदी	निर्मला जैन
4.	हिन्दी आलोचना	विश्वनाथ त्रिपाठी
5.	समकालीन आलोचक और आलोचना	रामबक्ष
6.	हिन्दी आलोचना के सैद्धांतिक आधार	कृष्णदत्त पालीवाल
7.	आलोचना की पहली किताब	विष्णु खरे
8.	साठोत्तरी हिन्दी कविता : परिवर्तित दिशाएँ	विजय कुमार
9.	कविता की संगत	विजय कुमार

10. हिन्दी कविता : सन्दर्भ और प्रकृति	देवीशंकर अवस्थी
11. आज और आज से पहले	कुँवर नारायण
12. कविता का वैभव	विनोद दास
13. कुछ कहानियाँ कुछ विचार	विश्वनाथ त्रिपाठी
14. कहानी नई कहानी	नामवर सिंह
15. कहानी समय	कृष्णमोहन

पाठ्यक्रम 14(DMLH-402) कथेतर गद्य

खण्ड - 1 **खड़ी बोली गद्य का विकास**

इकाई–1. खड़ी बोली गद्य

इकाई–2. नवजागरणकालीन परिस्थितियाँ और आधुनिक गद्य विधाएँ, साहित्येतर गद्य

खण्ड - 2 **प्रमुख कथेतर गद्य विधाएँ**

- निबंध
- आत्मकथा
- जीवनी
- यात्रावृत्त
- संस्मरण
- रिपोर्ताज
- पत्र-साहित्य
- रेखाचित्र
- डायरी
- व्यंग्य
- कथा डायरी

खण्ड - 3 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. लोभ और प्रीति (निबंध) रामचन्द्र शुक्ल

इकाई–2. अशोक के फूल (ललित निबंध) हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई–3. अपनी खबर (आत्मकथा) पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई–4. आवारा मसीहा प्रथम पर्व (जीवनी) विष्णु प्रभाकर

इकाई–5. चीड़ों पर चांदनी (यात्रा संस्मरण) निर्मल वर्मा

खण्ड - 4 **निर्धारित पाठ**

इकाई–1. घर का जोगी जोगड़ा (संस्मरण) काशीनाथ सिंह

इकाई–2. भक्तिन (रेखाचित्र) महादेवी वर्मा

इकाई–3. आग्नेश्का सोनी के नाम पत्र (पत्र 5) मुक्तिबोध

इकाई–4. वैष्णव की फिसलन (व्यंग्य) हरिशंकर परसाई

इकाई–5. भूमि-दर्शन की भूमिका उर्फ ऋणजल (रिपोर्ताज) फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई–6. रेत पर खेमा (कथा डायरी) जाबिर हुसैन

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. निबंध निलय — सत्येन्द्र
2. विधाओं की प्रकृति — देवीशंकर अवस्थी
3. देश के इस दौर में — विश्वनाथ त्रिपाठी
4. आत्मकथा की संस्कृति — पंकज चतुर्वेदी
5. हिन्दी साहित्यकोश (भाग-2) — सं. धीरेन्द्र वर्मा
6. गद्य विविधा — सं. जवरीमल्ल पारख
7. सृजनशीलता एवं व्यक्तित्व — बीना श्रीवास्तव

पाठ्यक्रम 15(DMLH-403) हिन्दी उपन्यास

खण्ड - 1 **हिन्दी उपन्यास का विकास-।**

इकाई–1. आधुनिकता, मध्यवर्ग और उपन्यास

इकाई–2. हिन्दी उपन्यास पर विभिन्न विचारधाराओं का प्रभाव

इकाई–3. प्रारम्भिक उपन्यास

इकाई–4. प्रेमचन्दयुगीन उपन्यास

खण्ड - 2 **हिन्दी उपन्यास का विकास-॥**

इकाई–1. प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास

इकाई–2. आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास

इकाई–3. स्त्री-पुरुष संबंध और हिन्दी उपन्यास

इकाई–4. समकालीन उपन्यास

खण्ड - 3 **निर्धारित उपन्यास**

इकाई–1. रंगभूमि — प्रेमचंद

इकाई–2. त्यागपत्र — जैनेन्द्र कुमार

खण्ड - 4 **निर्धारित उपन्यास**

इकाई–1. वे दिन — वर्मा निर्मल

इकाई–2. मित्रो मरजानी — कृष्णा सोबती

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. उपन्यास का उदय — आयन वॉट
2. उपन्यास और लोकजीवन — राल्फ फॉक्स
3. उपन्यास का सिद्धांत — जॉर्ज लुकाच
4. उपन्यास के पक्ष — ई. एम. फॉस्टर
5. हिन्दी उपन्यास : अन्तरंग पहचान — प्रेम कुमार
6. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा — रामदरश मिश्र
7. हिन्दी उपन्यास : पहचान एवं परख — इन्द्रनाथ मदान

8.	प्रेमचंद और उनका युग	रामविलास शर्मा
9.	सिलसिला	मधुरेश
10.	हिन्दी उपन्यास : 1950 के बाद	सं. निर्मला जैन.
11.	उपन्यास की शर्त	जगदीश नारायण श्रीवास्तव
12.	हिन्दी उपन्यास : सार्थक की पहचान	मधुरेश
13.	उपन्यास का पुनर्जन्म	परमानंद श्रीवास्तव
14.	हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति	चन्द्रकांत वांदिवडेकर
15.	आधुनिक हिन्दी उपन्यास	सं. नामवर सिंह

पाठ्यक्रम 16 (DMLH-404) (क) भारतीय साहित्य

खण्ड - 1 **भारतीय साहित्य का परिचय**

इकाई–1. भारतीय साहित्य की अवधारणा

इकाई–2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की दृष्टियाँ

इकाई–3. भारतीय साहित्य का स्वरूप

इकाई–4. भारतीय साहित्य की विशिष्टताएँ

खण्ड - 2 **भारतीय साहित्य की विभिन्न परम्पराएँ**

इकाई–1. भारतीय काव्य परम्परा

इकाई–2. भारतीय नाटक की परम्परा

इकाई–3. भारतीय कथा-परम्परा भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

खण्ड - 3 **निर्धारित कविताएं**

इकाई–1. अभिसार कृष्ण कली, रवीन्द्रनाथ टैगोर (बंग्ला)

इकाई–2. उद्योगी] स्वतंत्रा देवी की स्तुति, सुब्रहमण्यम भारती (तमिल)

इकाई–3. सबसे खतरनाक, हम लड़ेंगे साथी- पाश (पंजाबी)

इकाई–4. तेरे लिए मेरी खामोशी में, एक मौलिक संशोधन- वरवर राव (तेलुगु)

खण्ड - 4 **निर्धारित गद्य साहित्य**

इकाई–1.	**उपन्यास :**	संस्कार	आर. यू. अनंतमर्ति (कन्नड़)
		छै बीघा जमीन	फकीर मोहन सेनापति (उड़िया)
इकाई–2.	**नाटक :**	घासीराम कोतवाल	विजय तेंदुलकर (मराठी)
इकाई–3.	**कहानियाँ :**	बाढ़ में शिवशंकर	पिल्लै तकषि (मलयालम)
		आत्मा का सौन्दर्य	पीताम्बर पटेल (गुजराती)

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	तुलनात्मक साहित्य की भूमिका	इन्द्रनाथ चौधुरी
2.	भारतीय साहित्य की भूमिका	रामविलास शर्मा
3.	भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास	रामविलास शर्मा

4. भारतीय नयी कविता कृष्णदत्त पालीवाल
5. भारतीय साहित्य; स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ के. सच्चिदानंद
6. भारतीय साहित्य तुलनात्मक दृष्टि (लेख-सर्जन और संदर्भ) अज्ञेय

पाठ्यक्रम 16 (DMLH-404) (ख) संस्कृत साहित्य

खण्ड - 1 **संस्कृत साहित्य का विकास क्रम**

इकाई–1. वैदिक साहित्य

इकाई–2. वेद, ब्राह्मण ग्रंथ, आरण्यक, उपनिषद

इकाई–3. पौराणिक महाकाव्य : रामायण महाभारत

खण्ड - 2 **लौकिक साहित्य : काव्य एवं गद्य**

इकाई–1. लौकिक काव्य यात्रा

इकाई–2. नीतिकाव्य

इकाई–3. आख्यान की परम्परा

इकाई–4. नाटक की परम्परा

खण्ड - 3 **निर्धारित कविताएँ**

इकाई–1. वाल्मीकि रामायण : बालकांड

इकाई–2. प्रथम सर्ग : 'लोक सं 8 से 'लोक सं 20 तक

इकाई–3. गीता - (अध्याय दो) : श्लोक सं 11, 13, 19, 20, 22, 23, 27, 37, 38, 47

इकाई–4. माघ - शिशुपालवध : एकादश सर्ग : श्लोक सं 8, 15, 25, 40, 44, 45, 49, 53, 57, 64

जयदेव - गीतगोविन्द:

वाग्देवताचरितचित्रितचित्तस n~ek

ललितलवङग लतापरिशीलन

विश्वेषामनुरंजंनेन जनयन्नानन्दमिन्दीवर

किं करिष्यति किं वदिष्यति सा चिरं विरहेण

हृदि बिसलताहारो नायं भुजङ्.गमनायक:

तानि स्पर्शसुखानि ते च तरलाः स्निग्धार्विभ्रमा

हरिरिति हरिरिति जपति सकामम्

खशरतल्पमनल्पविलासकलाकमनीयमकुसुमविशि

त्वद्वाम्येन समं समग्रमधुना तिग्मांशुरस्तंगतो

किं विश्राम्यसि कृष्णभोगिभवने भाण्डीरभूमीरुहि

भर्तृहरि - नीतिशतक (पुनर्रचनाः राजेश जोशी)

(इस इकाई से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

खण्ड - 4 **निर्धारित कथा एवं नाट्य साहित्य**

इकाई–1. कालिदास -विक्रमोवर्शीयम्

इकाई–2. बाणभट्ट कादम्बरी (पुनर्रचना: राधाबल्लभ त्रिपाठी)

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1.	संस्कृत साहित्य का इतिहास	बदलेव उपाध्याय
2.	संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामजी उपाध्याय
3.	क्लासिकल संस्कृत लिटरेचर	ए.बी. कीथ
4.	संस्कृत ड्रामा	ए.बी. कीथ
5.	हिस्ट्री ऑफ संस्कृत लिटरेचर	मैकडानल
6.	संस्कृत साहित्य विमर्श	अचार्य द्विजेन्द्रनाथ

पाठ्यक्रम 16 (DMLH-404) (ग) उर्दू साहित्य

खण्ड - 1 **उर्दू भाषा एवं साहित्य का विकास**

इकाई–1. उर्दू भाषा का विकास

इकाई–2. उर्दू कविता का विकास

इकाई–3. उर्दू गद्य का विकास

खण्ड - 2 **उर्दू के विविध रूप**

इकाई–1. देहली कॉलेज और फोर्ट विलियम कॉलेज

इकाई–2. हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी

इकाई–3. उर्दू के विभिन्न काव्य-रूप

खण्ड - 3 **निर्धारित कविताएँ**

इकाई–1. मीर तकी मीर : उल्टी हो गई सब तदबीरें कुछ न दवा ने काम किया
: हस्ती अपनी हबाब की सी

इकाई–2. मिजा ग़ालिब : बाजीचा अत्फ़ाल है दुनिया मेरे आगे
: हरेक बात पे कहते हो तुम कि तू क्या है

इकाई–3. नज़ीर अकबराबादी : आदमीनामा

इकाई–4. फैज़ अहमद फ़ैज : मुझसे पहली सी मुहब्बत मेरे महबूब न मांग (नज़्म)
: बोल (नज़्म)

इकाई–5. फ़िराक़ गोरखपुरी : हर जलवे से (रुबाई)
: किस दरजा सुकूंनुमा हैं (रूबाई)
: आँसू से भरे-भरे (रुबाई)
: चेहरे प' हवाइयाँ (रूबाई)
: लहरों में खिला कंवल (रूबाई)

इकाई–6. परवीन शाकिर : कमालेज़ब्त को तो मैं भी आजमाऊँगी
: श्याम मैं तोरी.... (नज़्म)

खण्ड - 4 निर्धारित गद्य साहित्य

इकाई–1. मीर अम्मन बkगो बहार (किस्सा पहले दरवेश का)

इकाई–2. इन्तिज़ार हुसैन बस्ती (उपन्यास)

इकाई–3. कुर्रतुल ऐन हैदरअगले जनम मोहे बिटिया न कीजो (उपन्यास)

इकाई–4. इस्मत चुग़ताई घरवाली (कहानी)

इकाई–5. राजेन्द्र सिंह बेदी भोला (कहानी)

इकाई–6. सआदत हसन मंटो नूरजहाँ (रेखाचित्र)

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. उर्दू साहित्य का इतिहास	एजाज हुसैन
2. उर्दू साहित्य का इतिहास	ब्रजरत्न दास
3. उर्दू भाषा और साहित्य	फ़िराक़ गोरखपुरी
4. उर्दू कविता	फ़िराक़ गोरखपुरी
5. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	एहतेशाम हुसैन
6. उर्दू काव्य की जीवन धारा	मुहुसैन आज़ाद .
7. उर्दू समालोचना पर एक दृष्टि	कलीमुद्दीन अहमद
8. यादगारे ग़ालिब	अल्ताफ़ हुसैन हाली
9. बाग़ो बहार	मीर अम्मन (अनु. अब्दुल बिस्मिल्लाह)
10. उर्दू प्रेस और ब्रिटिश शासन	अब्दुल मुजीब खां
11. उर्दू हिन्दी की प्रगतिशील कविता	असग़र वजाहत
12. उर्दू साहित्य कोश	कमल नसीम
13. उर्दू आलोचना	पूर्णमासी राय
14. जिक्रे - मीर	(अनु. अजमल अजमली)
15. उर्दू का आरम्भिक युग	शम्सुर्रहमान फ़ारुक़ी (अनु. कृष्णमोहन)

2. परामर्श सत्र

मुक्त शिक्षा पद्धति में विद्यार्थी और शिक्षक/परामर्शदाता के बीच विचारों का आदान–प्रदान एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। विद्यार्थियों के लिए इसकी व्यवस्था अध्ययन केंद्रों में की गई है। यहाँ पर शिक्षक आपके प्रश्नों और समस्याओं का समाधान करने में आपकी मदद करेंगे। यहाँ आप अपने साथ के अन्य विद्यार्थियों से मिल सकेंगे और उनसे विचार–विमर्श कर सकेंगे। एम॰ए॰ हिन्दी के सभी पाठ्यक्रमों के विषय में परामर्श देने एवं मार्गदशन करने के लिए योग्य परामर्शदाताओं की व्यवस्था की गई है। पूरे शैक्षिक सत्र के दौरान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार समय–समय पर परामर्श सत्रों की व्यवस्था की जाएगी। परामर्श सत्र के दौरान प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए 4 कक्षाएँ निर्धारित की गई हैं तथा प्रत्येक कक्षा की अवधि 2 घंटे की होगी। इन परामर्श सत्रों में विद्यार्थियों की उपस्थिति होना अनिवार्य नहीं है, परंतु अगर आप इनमें भाग लेंगे तो ये कई प्रकार से आपके लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।

परामर्श सत्रों मे आने से पहले अपनी अध्ययन सामग्री पढ़ें एवं उन समस्याओं को नोट करके ले जाएँ जिन पर आप विचार–विमर्श करना चाहते हैं। जब तक आप पाठ्यक्रम सामग्री का अध्ययन स्वयं नहीं करेंगे तब तक आप उन समस्याओं से अवगत नहीं हो पाएँगे जिनका समाधान परामर्श सत्रों के दौरान संभव है। परामर्श सत्रों के विस्तृत कार्यक्रम का विवरण आपको अपने अध्ययन केंद्र के संचालक द्वारा प्राप्त होगा।

2.1 शिक्षण प्रणाली

यह शिक्षा प्रणाली पूरी तरह से स्वअध्ययन है। सी॰डी॰ओ॰एल॰, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आपके पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही काउंसिलिंग और सत्रीय कार्य आदि की भी व्यवस्था की जाएगी।

3. एसएमएस

सीडीओएल, जामिया ने विद्यार्थियों को अकादमिक सत्र की जानकारी देने के लिए एसएमएस की सुविधा शुरू की है। इस सुविधा के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने पाठ्यक्रम तथा अकादमिक सत्र की गतिविधियों की जानकारी दी जाती है। इसके बावजूद विद्यार्थी केवल एसएमएस की सुविधा पर ही निर्भर न रहें, वे अपने अध्ययन केन्द्र पर जाकर विषय से सम्बन्धित जानकारी संचालक से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को वर्तमान सत्र की अकादमिक सारणी भी उपलब्ध कराई जाती है।

4. अकादमिक सारणी

अकादमिक सारणी में महत्वपूर्ण तारीखों के साथ–साथ परामर्श सत्र, सत्रीय कार्य तथा परीक्षा से सम्बन्धित अन्य जरूरी जानकारियाँ दी गई हैं। इस अकादमिक सारणी में दी गई प्रमुख तारीखों को ध्यान से पढ़ें एवं उनका अनुसरण करें। आप इस अकादमिक सारणी को जामिया मिल्लिया इस्लामिया की वेबसाइट http://ww.jmi.ac.in/bulletinboard/academic-calendar/cdol से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप दूर शिक्षा तथा मुक्त अधिगम केन्द्र/अध्ययन केन्द्र के नोटिस बोर्ड से भी इसकी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

5. अध्ययन केन्द्र

सामान्यतया आपका अध्ययन केन्द्र ही आपका परीक्षा केन्द्र भी होता है। कोई भी विद्यार्थी अपने अध्ययन केन्द्र को परिवर्तित नहीं कर सकता है। यद्यपि, सी॰डी॰ओ॰एल॰ किसी भी समय किसी अध्ययन केन्द्र को बंद करने/परीक्षा केन्द्र को परिवर्तित करने का अधिकार रखता है।

आप अपने अध्ययन केन्द्र से ही सभी सूचनाएँ प्राप्त करें। दूर शिक्षा तथा मुक्त अधिगम केन्द्र सभी शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत रूप से सारी सूचनाएँ नहीं भेज सकता। सभी महत्वपूर्ण सूचनाएँ अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास भेजी जाएंगी जिन्हें वह अध्ययन केन्द्र के सूचना पटल पर लगा दिया करेगा। आप ऐसी सूचनाएँ स्वतः प्राप्त करते रहें। दत्तकार्य, परीक्षा फॉर्म के जमा कराने, परीक्षा

की तिथियाँ, परीक्षा में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की सूची एवं परिणाम की घोषणा आदि से सम्बन्धित सभी सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक से सम्पर्क करते रहें। यदि किसी अपरीहार्य कारणवश परीक्षा के सम्बन्ध में आप को दूर शिक्षा तथा मुक्त अधिगम केन्द्र से सम्पर्क स्थापित ही करना पड़े तो पत्र में अपनी अनुक्रमांक संख्या, रोल नम्बर तथा अपना पूरा पता अवश्य लिखें। इन सूचनाओं के अभाव में आप की समस्या पर कोई भी ध्यान नहीं दिया जाएगा।

6. मूल्यांकन योजना

6.1 सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य द्वारा किसी पाठ्यक्रम में दी गई सामग्री का सतत् मूल्यांकन किया जाता है। पाठ्यक्रम के सभी सत्रीय कार्यों के लिए लगभग 25% अंक निर्धारित हैं।

सत्रीय कार्यों को करने के लिए सामान्यतः आपको भेजी गई पाठ्य–सामग्री ही पर्याप्त होगी, परन्तु अगर आपको पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित अन्य पुस्तकें भी आसानी से उपलब्ध हों, तो आप उनका भी अध्ययन करें। अगर पुस्तकें मिलने में कठिनाई हो, तो उसके लिए परेशान न हों। हम अधिकांश सत्रीय कार्य इस प्रकार तैयार करते हैं कि आप उत्तर लिखने के लिए अपने पाठ्यक्रम की वह सामग्री जो विश्वविद्यालय ने उपलब्ध कराई है, का अध्ययन और उपयोग कर सकें।

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने हाथ से ही लिखें। इसे मुद्रित या टाइप न कराएँ। विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों में से नकल न करें।

सत्रीय कार्य की जो उत्तर पुस्तिका आप अपने अध्ययन केंद्र के संचालक को देते हैं, उसकी एक फोटो कापी अपने पास रिकार्ड के लिए रख लें।

पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सत्रीय कार्य को अकादमिक सारणी में दी गई निर्धारित तिथि तक अपने अध्ययन केन्द्र में जमा कराना आवश्यक है।

आपको अपना नाम, नामांकन संख्या और सत्रीय कार्य संख्या साफ तथा स्पष्ट रूप में लिखना अत्यंत आवश्यक है।

सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। आप एक बार उत्तीर्णांक प्राप्त कर लेते हैं तो आप इसमें अंकों को सुधारने अथवा पुनःनिरीक्षण के लिए प्रसतुत नहीं हो सकते।

यदि आप सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं होते हैं, तो आपको पाठ्यक्रम से सम्बन्धित संचालक के पास पुनः सत्रीय कार्य जमा कराना होगा। मूल्यांकन में हुई किसी वास्तविक त्रुटि के अतिरिक्त पुनः मूल्यांकन की अन्य कोई व्यवस्था नहीं है। यदि जाँच किए गए सत्रीय कार्यों में आप कोई अन्तर पाते हैं तो उसे अध्ययन केन्द्र के संचालक की जानकारी में लाएँ जिससे वे सही प्राप्तांक मुख्यालय के मुल्यांकन प्रभाग को भेज सकें।

6.2 छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा

छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा मूल्यांकन का महतवपूर्ण भाग है। प्रत्येक पाठ्यक्रम की परीक्षा में इसके लिए 75 प्रतिशत अंक शामिल हैं। आप अपना छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा परीक्षा फॉर्म **दूर–शिक्षा तथा मुक्त अधिगम केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, जामिया नगर, ओखला, नई दिल्ली–110025** द्वारा निर्धारित अन्तिम तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

6.2.1 छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा परीक्षा फॉर्म

किसी भी पाठ्यक्रम की परीक्षा देने के लिए यह आवश्यक है कि उसके लिए परीक्षा फॉर्म जमा कराया जाए। प्रत्येक छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा के फॉर्म, प्रवेश पत्र तथा परीक्षार्थी सम्बन्धित सूचना कार्ड वेबसाइट (https://www.jmi.ac.in/cdol/forms) पर फॉर्म A, फॉर्म B, तथा फॉर्म C क्रमशः रूप से दिए गए हैं। फॉर्म C का प्रयोग केवल प्रथम छमाही/अर्धवार्षिक परिक्षार्थियों के लिए होगा।

उचित रूप से भरा हुआ परीक्षा फॉर्म आपको 'निदेशक, अर्जुन सिंह दूर शिक्षा तथा मुक्त अधिगम केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली–110025' के कार्यालय में जमा कराना है। फॉर्म के साथ एक लिफाफा भी संलग्न करना होगा जिसपर स्वयं का पता लिखा हो तथा 45 रूपये का डाक लगा हो। सत्रांत परीक्षा फॉर्म जमा करने की अन्तिम तिथि की जानकारी आपको शैक्षिक तिथि–पत्र के माध्यम से प्राप्त होगी, जिसका विवरण अकादमिक सारणी में दिया गया है।

6.2.2 छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा की दिनांक–सारणी

आपके द्वारा भेजे गए परीक्षा फॉर्म की जांच के बाद छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा के प्रारम्भ होने से 15 दिन पूर्व आपका परीक्षा प्रवेश पत्र आपके पास भेज दिया जाएगा। यदि यह प्रवेश पत्र आपको परीक्षा प्रारम्भ होने से 15 दिन पूर्व प्राप्त नहीं होता, तो आप अपने अध्ययन केन्द्र से सम्पर्क करें। यदि किसी कारणवश आपको प्रवेश पत्र नहीं मिलता या आपसे यह खो जाता है तो भी आप अपना पहचान पत्र (शिक्षार्थी सम्बन्धित सूचना कार्ड) तथा परीक्षा फॉर्म भेजने का प्रमाण अपने परीक्षा केन्द्र के संचालक को दिखाकर परीक्षा में बैठ सकते हैं।

परीक्षा से पूर्व परीक्षा की निर्धारित तारीख, समय और इससे सम्बन्धित सभी जानकारियों को वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायगा।

सत्र समाप्ति परीक्षाओं हेतु अपना परीक्षा फॉर्म जमा करते समय, यह जांचना आपकी स्वयं की जिम्मेदारी है कि, क्या आप उस कार्यक्रम के लिए पंजीकृत हैं और उस परीक्षा में बैठने योग्य हैं। यदि उपरोक्त आवश्यकताओं में से कोई भी कमी पायी जाती है, तो आपकी परीक्षा रद्द होने के लिए स्वयं उत्तरदायी है।

7. छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा परिणाम

मूल्यांकन प्रणाली को दो भागों में बांटा गया है। पहला भाग सत्रीय कार्य का और दूसरा भाग छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा का। इस प्रणाली के अन्तर्गत सत्रीय कार्य 25% और छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा 75% का होगा।

7.1 परीक्षा परिणाम की घोषणा

दूरस्थ शिक्षण प्रणाली के अन्तर्गत परीक्षा पास करने हेतु अभ्यार्थी के लिए निम्नलिखित अनिवार्य है:

a) प्रत्येक पेपर के प्रत्येक घटक में अर्थात् सत्रीय कार्य एवं छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा प्रत्येक में 40% अंक होने चाहिए।
b) डिग्री प्राप्त करने हेतु सभी थ्योरी पेपर्स एवं सत्रीय कार्यों में संयुक्त रूप से 50% अंक होना अनिवार्य है।
c) यदि कोई छात्र किसी पेपर अथवा पाठ्यक्रम के किसी भी घटक को उत्तीर्ण करने में विफल रहता है, तो वह पंजीकरण की दिनांक से कार्यक्रम के लिए प्रदान की गई अधिकतम अवधि तक, बाद के छमाही/अर्धवार्षिक सत्र के दौरान उसे दोहरा सकता है; तथा

श्रेणी :

सभी पाठ्यक्रमों की परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर श्रेणी–विभाजन निम्न प्रकार से किया जाएगा:

(i) 75% अंक अथवा इससे अधिक प्राप्त करने वाले को श्रेष्ठ श्रेणी।
(ii) 60% अंक अथवा इससे अधिक प्राप्त करने वाले को प्रथम श्रेणी।
(iii) 50% परन्तु 60% से कम अंक पाने वाले को द्वितीय श्रेणी।
(iv) 40% परन्तु 50% से कम अंक पाने वाले को तृतीय श्रेणी।

अनुग्रहांक : अधिकतम तीन (3) अनुग्रहांक केवल उन विद्यार्थियों को ही दिए जाएंगे जो इन्हें पाने से सफलता अथवा श्रेणी प्राप्त करते हैं। आवश्यकता अनुसार न्यूनतम अनुग्रहांक ही दिए जाएंगे। यह अनुग्रहांक प्रतिशतता अथवा पूर्णयोग में परिकलित किए जाएंगे।

7.2 परिवेदना (ग्रीवैन्स) समिति

क्रम सं॰	समिति सदस्य
1.	वी॰सी॰ नॉमिनि (विषय)
2.	ऑनरेरी निदेशक (प्रशासनिक)
3.	ऑनरेरी निदेशक (अकादमिक)
4.	सम्बन्धित विभाग से विषय–विशेषज्ञ
5.	उपनिदेशक (प्रशासनिक)
6.	उपनिदेशक (अकादमिक)
7.	अकादमिक संयोजक

7.3 कार्यक्रम के अगले छमाही/अर्धवार्षिक सत्र में प्रवेश हेतु :

- यदि किसी परिक्षार्थी के प्रथम एवं द्वितीय छमाही/अर्धवार्षिक सत्र के पाठ्यक्रमों में 50% से अधिक में बैकलॉग होगी तो उस परिस्थिति में उस परिक्षार्थी को तीसरे छमाही/अर्धवार्षिक सत्र में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- किसी छात्र को वर्ष की अधिकतम समयावधि के भीतर आवश्यक सभी थ्योरी पेपर्स एवं सत्रीय कार्य को पूर्ण करने के बाद ही डिग्री अवार्ड करने के लिए सफल घोषित किया जाएगा। एक छात्र जो कार्यक्रम के लिए प्रदान की गई न्यूनतम अवधि में किसी भी घटक (छमाही/अर्धवार्षिक परीक्षा अथवा सत्रीय कार्य) में अनुपस्थित रहता है तथा वह प्रोग्राम को

जारी रखना चाहता है, तो उस स्थिति में उसे डिमान्ड ड्रॉफ्ट के माध्यम से निर्धारित शुल्क जमा करके पुनः पंजीकरण लेना होगा।

7.4 प्राप्तांकों का पुर्नमूल्यांकन

किसी भी पाठ्यक्रम में घोषित परिणाम के पूनर्मूल्यांकन का कोई भी अनुरोध विचारणीय नहीं होगा। यद्यपि, परिक्षार्थी द्वारा निर्धारित शुल्क के साथ परीक्षा के नियंत्रक को एक आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर उत्तरपुस्तिका के अंकों को पुनः योग करवाने की अनुमति होगी।

7.5 परीक्षा–परिणाम में सुधार

एक छात्र को अपने छमाही/अर्धवार्षिक परीक्षाफल में सुधार करने की अनुमति तब ही दी जाएगी यदि:

(i) किसी छात्र को अगले छमाही सत्र में पाठ्यक्रम के किन्हीं भी दो पेपर्स में ग्रेड–सुधार करने की अनुमति दी जा सकती है। यद्यपि, सम/विषम छमाही सत्र के पाठ्यक्रम में ग्रेड–सुधार की अनुमति अगले सम/विषम छमाही सत्र परीक्षा में ही दी जाएगी।

(ii) ग्रेड–सुधार परीक्षा केवल थ्योरी पेपर्स में ही उपलब्ध होगी।

(iii) इस प्रकार की परीक्षा के लिए केवल एक बार ही अनुमति दी जाएगी। किसी भी परिस्थिति में पुनः कोई मौका नहीं दिया जाएगा।

(iv) छात्र द्वारा सुधार परीक्षा में प्राप्त किए गए ग्रेड्स के आधार पर ही उसकी अंतिम डिवीजन/ग्रेड निर्धरित किए जाएंगे।

8. सामान्य निर्देश

पाठ्यक्रम शुल्क, पुर्नपंजीकरण शुल्क, विलम्ब शुल्क तथा अन्य शुल्क

- **पाठ्यक्रम शुल्क :** पाठ्यक्रम शुल्क प्रत्येक वर्ष के आरम्भ में डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा देना होगा जो कि **जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली** के नाम देय होगा। किसी भी परिस्थिति में पाठ्यक्रम शुल्क लौटाया नहीं जायगा।
- **पुर्नपंजीकरण शुल्क :**एक छात्र जो कार्यक्रम के लिए प्रदान की गई न्यूनतम अवधि में किसी भी घटक (छमाही/अर्धवार्षिक परीक्षा अथवा सत्रीय कार्य) में अनुपस्थित रहता है तथा वह प्रोग्राम को जारी रखना चाहता है, तो उस स्थिति में उसे डिमान्ड ड्रॉफ्ट के माध्यम से निर्धारित शुल्क जमा करके पुनः पंजीकरण लेना होगा। (यह शुल्क अगले पृष्ठ पर दी गई तालिका के अनुसार देय होगा)।
- **विलम्ब शुल्क :** यदि कोई विद्यार्थी निर्धारित समयानुसार अपने सत्रीय कार्य एवं छमाही/अर्धवार्षिक परीक्षा फॉर्म को जमा नहीं करा पाया है, तो वह उसे निर्धारित विलम्ब शुल्क के साथ जमा करा सकता है।
- यदि किसी विद्यार्थी का पता/मोबाइल नम्बर बदल गया हो तो उसकी सूचना सम्बन्धित अधिकारी को पहले से ही देनी होगी।

Table: Renewal and other Fee application for M.A. Hindi (Distance Mode)

Sl. No.	M.A. Hindi (Distance Mode)	Fees/Charges (Rs.)
1.	Program/Renewal Fees (to be paid for final year)	10,000/-
2.	Submission of Assignments with late fees upto the maximum period of 4 weeks	100/- (per Assignment)
3.	Submission of Assignments in the following years (In case of absence/fail)	200/- (per Assignment)
4.	Submission of Annual Examination form with late fees up to 4 weeks.	250/-
5.	Submission of Annual Examination form with late fees beyond 4 weeks up to the next 4 weeks.	600/-
6.	Re-appearing in Annual Examination (In case of absence/fail/improvement)	500/- (per paper/programme)
7.	Re-Registration Fee*	3000/-
8.	Provisional Certificate	50/-
9.	Migration Certificate	50/- (after passing Exam)
10.	Migration Certificate	200/- (before passing Exam)
11.	Duplicate Statement of Marks (Attach a copy of FIR)	200/-
12.	Duplicate Identity Cards (Attach a copy of FIR)	200/-
13.	Change of Address in ID Card	50/-
14.	Re-evaluation of (current) Answer Script.	500/- (per programme)
15.	Change of Course/papers after collecting SLM however before the commencement of annual examination	1500/- (per programme/paper)

Note: * If a candidate fails to appear in any of the prescribed components of the Programme within the stipulated period of 2 years (4 Semester)and desires to continue the Programme after the lapse two years he/she should re-register for the Programme by depositing the above mentioned re-registration fee. The Fee once paid will not be refunded or adjusted under any circumstances.

All the fees/charges wherever, applicable will be payable only in the form of **demand draft** drawn in favour of **Jamia Millia Islamia** payable at **New Delhi**.

All the aforesaid fee is subjected to revision during the academic year as per University rules.

Centre Form Distance and Open learning
Jamia Millis Islamia, New Delhi – 110025

Admission Renewal Form

M.A. Hindi, Semester –III & IV

(Distance Mode) Session ……..

Roll No. …….. **Enrolment No. ……..**

Name of the Learner Support Centre ……

Learner Support Centre Code No. ……

Name of the Candidate ……
(Block Letters)

Father's Name & Address ……

……

……Mob.……

I wish to take admission in …….. Year ……..
Name of Course

Subject Code 1. …… 2. …… 3. ……

4. …… 5. …… 6. …… 7. ……

Mobile No. ……..

…… **……**
(Date of Submission) **(Signature of the Candidates)**

The Candidate has been promoted to …….. And the fee of Rs. …….. has been deposited through DD No. …… Date…….. Bank ……

…… **……**
(Signature of the Programme Incharge) **(Signature of the Verifying Officer)**

Centre for Distance and Open learning
JAMIA MILLIA ISLAMIA
(A Central University by an Act of Parliament)

Distance Mode

Application Form for Re-registration

(Particulars should be filled in by the Candidate in his/her own handwriting)

The Hony. Director
Centre for Distance & Open Learning
Jamia Millia Islamia
New Delhi-110025

Affix an attested photograph

Sir,

I seek re-registration to the programme……(Distance Mode), Session …….. As I could not appear in any component in the Semester …….. Session……..
I certify that I am the same person who took admission in this programme in session……..

Yours Faithfully

(Signature of the Applicant)

Re-registration fee Rs. …… by DD No. …… Drawn on Bank …… Dated …… is enclosed herewith.

Particulars

Candidate's Name (in Block Letters) ……

Candidate's Name in Urdu or Hindi: ……

Father's Name: (in Block Letters): ……

Father's Name in Urdu or Hindi : ……

Present Postal Address : ……

……Phone No. ……

Name of the Programme Admitted…… Semester ……Year ……..

Roll No. ……Enrolment No. ……

Programme Centre Code & Name ……

(For Office Use Only)

Received application form of Ms/Mr ……Roll No. …… for re-registration to the programme ……(Distance Mode) Session …… DD No. …… Bank ……Date …… of Amount ……

Centre for Distance and Open Learning **Dated ……**

JAMIA MILLIA ISLAMIA

(A Central University by an Act of Parliament)

APPLICATION FOR CERTIFICATE

The Controller of Examination
Jamia Millia Islamia, New Delhi -110025

Sir,

I request you to please issue me the Certificate mentioned below. I certify that I am the same candidate who appeared at the following examination. My signature and particulars given below are attested by the Programme Incharge / Director, Centre for Distance and Open Learning / Gazzetted Officer.

Yours faithfully,

……
CANDIDATE

PARTICULARS

1. Candidate's Name……
(in Block Letters)

2. Candidate's Name in Hindi or Urdu……

3. Father's Name……
(in Block Letters)

4. Father's Name in Hindi or Urdu……

5. Present Postal Address……

……Phone / Mobile No……

6. Name of the Examination……Semester……Year……

7. Roll No……Enrolment No……Previous Enrolment No if any……

8. Date of admission (in the Centre for Distance and Open Learning)……
(To be filled when the Migration Certificate is required)

9. Certificate Required ……

……
Attested by the Director, Centre for Distance and Open Learning / The Programme Incharge / Gazzetted Officer (Office Stamp)

NOTE: FOR PROVISIONAL/MIGRATION, PLEASE ATTACH A PHOTOSTATE COPY (ATTESTED) OF THE MARKSHEET OF FINAL EXAMINATION	Received the Certificate mentioned above …… CANDIDATE

Amount of Fee of Rs. ……paid Vide Receipt No / DD No……Name of the Bank……Date……(Receipt/DD attached). I authorize…… ……. to collect my……Certificate.

The Specimen Signature of Messenger is given below:

…… ……
Specimen Signature of Messenger CANDIDATE

Received application form of Mr./ Ms……Class……(Distance Mode) for……Certificate.

Date…… For Controller of Examination

FEES FOR ISSUING MIGRATION, PROVISIONAL & OTHER CERTIFICATES

		RUPEES
1.	**PROVISIONAL CERTIFICATE**	**50**
2.	**DUPLICATE MARKSHEET / MIGRATION / PROVISIONAL** (For above – mentioned Duplicate Certificate attach a copy of F.I.R)	**200**
3.	**MIGRATION CERTIFICATE**	
	a) After passing the examination for which the applicant was studying	**50**
	b) Before passing the examination for which the applicant was studying	**200**

4. CHANGE OF NAME:

A student applying for change of his/her name in the Register of students shall submit his/her application to the Controller of Examinations accompanied by:

a) The prescribed fee Rs. 150/- by demand draft.

b) An affidavit relating to his / her present and proposed name, duly sworn in the presence of a Magistrate by himself/herself.

c) A publication from a newspaper in which the proposed change of name has been advertised. However the provision relating to publication shall not be applicable in case where a woman candidate is wanting to change her name following her marriage.

The Examination Committee on considering such applications and taking decisions thereon shall report to the Majlis-I-Talimi (Academic Council)

			Minimum Time required (working days)
i)	Provisional Certificate	-------	20 days
ii)	Migration	-------	20 days
iii)	Duplicate Marksheet	-------	20 days
iv)	Change of Name	-------	6-7 days

5. TIME REQUIRED FOR PREPARATIONS/ISSUE OF THE MARK-SHEET/CERTIFICATE PROVIDED ALL OTHER REQUIRED DOCUMENTS ARE ATTACHED.

Note: a) Old cases of more than 3 years will require more time.

b) Students must fill separate forms and attach separate Demand Drafts for each certificate to be issued.

c) Demand Draft of an appropriate amount per certificate etc. should be in favour of **" Jamia Millia Islamia**". and payable at New Delhi . Please send all the documents and demand draft for the required certificates to **"The Controller of Examinations, Jamia Millia Islamia, Jamia Nagar, New Delhi-110025"**.

d) Postal Charges: If the Certificate Marksheets etc is required by post, then you must send your form accompanied by a self-addressed envelope bearing Indian Postal Stamps of Rs. 45/- Only.

JAMIA MILLIA ISLAMIA

(A Central University by an Act of Parliament)

Distance ode

FOR ISSUE OF DEGREE/DIPLOMA/CERTIFICATE

The Controller of Examination
Jamia Millia Islamia,
New Delhi-110025

Affix an attested photograph

Sir,

I request you to please issue me the Degree/Diploma/Certificate mentioned below. I certify that I am the same candidate who appeared at the following examination. My particulars are as follows

1. Candidate's Name………..
(in Block Letters)
2. Candidate's Name in Hindi or Urdu……………………………………………………………………………………..
3. Father's Name……..
(in Block Letters)
4. Father's Name in Hindi or Urdu…………………………………………………………………………………………....
5. Mother's Name………........
6. Present Postal Address……………………………………………………………………………………………………….

……………………………………………………………..Phone / Mobile No………………………………………………………

7. Name of the Examination…………………………..Semester…………………Year…………………………………………
8. Roll No………………….Enrolment No………………………Previous Enrolment No if any………………………………

Previous Enrolment No if any…………………………………………………………………………

Yours Faithfully,

Verified from the records and certified that Mr./ Ms………………………………………… whose signature & photograph are attested above, has signed In my presence and is a genuine candidate. He/She has no dues.

(Signature of Candidate)

Signature with Seal
Dean/Principal/Headmaster/Director (Concerned)

Received the Degree/Diploma/Certificate

Candidate/Messenger Signature with date

I authorize……………………………………………………….to collect my above mentioned Degree/Diploma/Certificate.

The Specimen Signature of Messenger is given below:

Specimen Signature of Messenger

(Signature of Candidate)

(See instruction overleaf)

INSTRUCTIONS

1. Attach photocopies of marks sheets of all years examination (passed) (in case of improvement, attach a photocopy of improved marksheet).
2. If the course is completed in more than minimum duration of course, attach photocopy of the combined marks sheet.
3. Photocopy of notification in case of Ph.D. Degree
4. The Candidate / Messenger must show his /her Identity at the time of receiving the degree/diploma/certificate.

Issue of Duplicate Degree / Diploma / Certificate:

Duplicate degree/diploma/ certificate can also be obtained on submitting an application alongwith the following:

1. An affidavit signed and certified by the First Class Magistrate
2. Cutting from the leading newspaper showing that the original has been lost or destroyed, or submit defaced/remaining portion of degree/diploma/certificate.
3. Prescribed fee of Rs. 100/-

Time required for preparation/issue of the certificate provided all other required documents are attached.

Degree / Diploma / Certificate	30days
Duplicate Degree / Diploma / Certificate	60 days

Note : Old cases of more than 5 year will require more time.

I have read all above mentioned instruction carefully. I will abide by the rules and regulations or any instruction s given by Examination Department.

……..

Signature
Candidate / authorized person

Form 'A'
Jamia Millia Islamia, New Delhi

Particulars of Forms A, B & C to be filled in by the candidate in his/her own handwriting

Examination: ..... (Distance Mode) Semester I/II/III/IV Year.....

Roll No. .....

Enrolment No. .....

LSC Code No.....

The Controller of Examination
Jamia Millia Islamia
New Delhi – 110025

Sir,

I request you to permit me to appear at the examination noted above. The examination fee has been deposited. I declare that I have not been debarred by any University or Board from taking any examination during the above mentioned year and that the entries made by me on the forms A, B, & C (attached) are true to the best of my knowledge and belief. I agree to abide by the Statutes, Ordinances and regulations existing and amended from time to time.

Yours Faithfully,

Candidate's Photograph To be pasted here

Photo & Signature to be attested by the Hony. Director Centre for Distance & Open Learning, Jamia Millia Islamia

_____
Candidate's signature (in full) Date .....

Course in which he/she wishes to be examined (Mentioned option of Courses, if any). Title of Courses

Course Code	Course Title

Specimen signature of the candidate (in full).....

1. Name of the Candidate

(BLOCK LETTERS)

2. Date of Birth (in words).....

3. Place of Birth.....Nationality.....
Town Distt. State

4. Father's Name.....Occupation.....

5. Address (Present).....

.....

6. Enrolment No.....Medium of Examination.....

7. Whether you belong to SC/ST/PH.....

Declaration:

I hereby solemnly affirm that I have submitted/will submit all the required number of assignments prescribed for the above course(s) within the deadlines prescribed by the University, to the appropriate authority for evaluation.
I am aware that submission of assignments prescribed for these courses is a pre-requisite for taking Term-End-Examination. In case my above statement regarding submission of assignment is found to be untrue, the University may cancel the result of my above mentioned Term-End-Examination and I undertake that I shall have no claim whatsoever in this regard. I also undertake that I shall abide by the decision, rules and regulations of University. I have signed this undertaking on this..... day of.....

Signature of the Candidate.....

Declaration:

I hereby declare that all the entries made in the form and copies of documents attached herewith are correct to the best of my knowledge. If any falsification is found in this connection, the Jamia Millia Islamia has the right to cancel the examination at any time.

.....
Signature of Candidate

.....
Signature of Father/Mother/Guardian

CERTIFICATE

Certified that the above named student is a Distance Mode student. His /her conduct is satisfactory and that he/she is eligible to appear at the examination noted above. The information furnished by him/her on Forms A, B and C is correct. Photographs & Signatures of the candidate on forms A, B and C are attested.

Date .....

.....
Hony. Director
Centre for Distance & Open Learning

To be filled if applicant:

Fee of Rs..... paid vide DD No..... Name of the Bank..... Date..... DD is attached.

Note: Required for Clear-Remaining/Improvement of Result papers etc. Please read Programme Guide for fee and rule.

Form 'B'

ADMIT CARD

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI

Examination..... (Distance Mode) Semester I/II/III/IV Year.....

Candidate's Name
(Capital Letters)

Affix your recent photo (Size 2x1.5) attested by the Director, Centre for Distance and Open Learning or by the Programme Incharge. Photograph should be pasted with gum and not stapled or pinned.

.....
Signature of the Candidate

.....
Hony. Director

Father's Name.....

Examination.....Semester .....

Medium of Examination.....Category: **Distance Mode**

All Courses/Papers in which the candidate wishes to appear this year

Course Code	Course Title	Course Code	Course Title
Practical and/orviva etc. prescribed			

Roll No. .....

Enrolment No. .....

LSC Code No.....

.....
Specimen Signature of the Candidate

N.B. (a) The Examination will be held according to the 'Scheme of Examination' (Date Sheet) placed on the Notice Board of the Arjun Singh Centre for Distance and Open Learning Office and Controller of Examination, Jamia Millia Islamia and the Programme Centre
(b) Candidate must bring his/her own pen, pencil and identity card etc.
(c) Order of the question papers given in the date sheet shall not be guaranteed. (d) Read carefully and follow the 'Instructions for Candidates' (Printed overleaf)

Form 'B'

ADMIT CARD

JAMIA MILLIA ISLAMIA, NEW DELHI

Examination..... (Distance Mode) Semester I/II/III/IV Year.....

Candidate's Name
(Capital Letters)

Affix your recent photo (Size 2x1.5) attested by the Director, Centre for Distance and Open Learning or by the Programme Incharge. Photograph should be pasted with gum and not stapled or pinned.

.....
Signature of the Candidate

.....
Hony. Director

Father's Name.....

Examination.....Semester.....

Medium of Examination.....Category: **Distance Mode**

All Courses/Papers in which the candidate wishes to appear this year

Course Code	Course Title	Course Code	Course Title
Practical and/orviva etc. prescribed			

Roll No. .....

Enrolment No. .....

LSC Code No.....

.....
Specimen Signature of the Candidate

N.B. (a) The Examination will be held according to the 'Scheme of Examination' (Date Sheet) placed on the Notice Board of the Arjun Singh Centre for Distance and Open Learning Office and Controller of Examination, Jamia Millia Islamia and the Programme Centre
(b) Candidate must bring his/her own pen, pencil and identity card etc.
(c) Order of the question papers given in the date sheet shall not be guaranteed. (d) Read carefully and follow the

‘Instructions for Candidates’ (Printed overleaf)

INSTRUCTION TO CANDIDATES FOR EXAMINATION
(Ordinance X Para 30, 31)

30.1 The doors of the Examinations Hall shall be opened half an hour before the commencement of the Examination on the first day and quarter of an hour before on subsequent days

30.2 A candidate may not be admitted into the Examination hall if he/she fails to present to the invigilator his/her Admission card and / or satisfy the Superintendent of examination that it will be produced with in a reasonable time.

30.3 All candidates shall come to the Examination Hall before the time fixed for the Examination Hall. The candidate arrives not later than 30 minutes after the time fixed for the examination, the invigilator may allow him/her to appear at the examination with the permission of Superintendent of Examination. No candidate shall be allowed to appear in the examination not later than30 minutes after the time fixed.

30.4 The candidate shall strictly obey and follow all the instructions given to them from time to time by the Superintendent of Examination or Invigilators of any Official of the University connected with the Examinations

30.5 The candidate shall maintain and observe strict disciplines in and /or near the Examination Central /Hall and shall not in any such not as misbehaveour / noisence which causes any obstruction and /or disturbance or disruption in the conduct of Examination.

30.6 No candidate shall be allowed to leave the Examination Hall, until an hour has cleared after the distribution of the Question Paper.

30.7 No candidate shall leave his/her place to go out of the Hall without the permission of the invigilator, unless he/she has handed over answer book to the Invigilator concerned.

30.8 If a candidate deserve to go out of the Examination Hall for a while, a reliable person shall be sent with his/her to see that he/she does not communicate with any person or use unfair means for answering the Question Paper.

30.9 A soon as the time prescribed for the Question Paper Expires, the candidates shall have to hand over their answer book to the invigilator concerned.

30.10 A candidate appearing at an Examination shall give a specimen signature for purpose of identification, if asked by the Superintendent of Examination or the Invigilator in the Examination Hall.

Use of Unfair means / Misbehaviour:

31.1 No candidate shall bring with him/her in the Examination Hall any book, paper, notes or other materials, which may used by him/her in connection with the Examination, nor shall he/she communicable to or receive from any other candidate or person any information is the Examination Hall.

31.1 No candidate Shall move or write any thing on the blotting paper or Question Paper or on any other object/material, except the answer book supplied to him/her.

31.2 No candidate shall assist or receive from any other candidate or person at in Examination or make use of any dishonest or unfair incase in connection with the Examination.

31.4 Any candidate, detected cheating or making use of any dishonest or unfair means in connection with an Examination shall be reported to the Controller of Examinations by the Superintendent of Examination or through him by an Invigilator or an Official of the University is the may be. The Controller of Examinations shall place the aforesaid matter before the Examination Committee for consideration. which may if satisfied that

31.6 Any candidate bringing any book, paper, notes or other material to the Examination Hall sha be reported to the
Examination Committee for consideration by the Controller of Examinations, as reported b the Superintendent of Examination or through him by an Invigilator or by an Invigilator or b an Official of the University, as the case may be, and use examination committee may, satisfied that the facts alleged are true. But that the candidate has not made any use therefor disqualify the candidate from passing that Examining

31.7 Any candidate who in the opinion of the Superintendent of Examinations is guilty of an misconduct in the Examination Hall, other than the disconduct within the meaning of th aforesaid Sub Para 31.1, 31.2, 31.3, 31.4, 31.5 and 31.6 of this Ordinance, may be expelled b the superintendent of examinations for the Paper and shall be reported to the Examinatio Committee by the Contoller of Examinations. The said committee may , if satisfied that th facts alleged are true, disqualify him /her from passing that Examining for that year.

31.8 Any candidate approaching an Examiner directly or indirectly or seeking ways or means o brining pressure to be as on the Examiner, so the higher marks may be awarded to him/h than his/her answers justify or attempting to influence the Controller of Examinations or an person employed in this office for the same purpose shall be deemed to have used unfa means. Such a case shall be reported to the Examination. The Examination Committee may, satisfied that the facts alleged are true, disqualify the candidate from passing that Examini for a period not less than one year.

31.9 Any candidate found guilty of seeking way and means or harassing or pressurizing or using o threatening to use force to make any Superintendent of E Examinations or Invigilator or an Official of the University desist from his duties relating to the conduct of Examination sha be deemed to have used unfair means and indulged in gross misconduct. Such a case shall b reported to the Examination Committee by the person concerned if satisfied that the fac alleged are true, disqualify him /her from passing that Examining for that year.

31.10 Any candidate who has been punished under Sub para 31.4, 31.5, 31.6, 31.7, 31.8 and 31 above shall not be admitted to any Course as a Regular Student. Such a student may b allowed to appear at the next Annual Examination only, in which he/she is entitled to appe as Ex-Student after the expury of the period of punishment.

31.11 In case, a person who is not bonafide candidate is found to be taking an examination o behalf of a bonafide candidate. It will be founded that this impersonation is being done at th instance and with the connivance of the bonafide candidate and mention against such perso and such bonafied candidate would be taken as under

(i) The bonafied candidate who did not take the Examination himself/herself shall be debarre from pursuing any course of studies or from appearing at any Examination of the Universi in future.

(ii) In case the person who has impersonated the bonafide candidate is a student of th University, he/she shall be debarred from taking any Examination of the University in future

(iii) If the person, who has impersonated the bonafide candidate is not a student of th University, he/she may be handed over to the police for appropriate action.

31.12 In case, a candidate is appearing at the Examination for improvement of Division/Percenta of Marks and is found to be using unfair mean, the result of his/her Examination in th Paper(s) in which he /she has already appeared, would also be cancelled, in addition to th action that might be taken against him/her for using unfair means, while reappearing f improvement of his/her Division/Percentage pf Marks.

31.13 Any punishment imparted on the carrying student shall be following due consideration of th defence prescribed by him/her.

INSTRUCTION TO CANDIDATES FOR EXAMINATION
(Ordinance X Para 30, 31)

30.11 The doors of the Examinations Hall shall be opened half an hour before the commencement of the Examination on the first day and quarter of an hour before on subsequent days

30.12 A candidate may not be admitted into the Examination hall if he/she fails to present to the invigilator his/her Admission card and / or satisfy the Superintendent of examination that it will be produced with in a reasonable time.

30.13 All candidates shall come to the Examination Hall before the time fixed for the Examination Hall. The candidate arrives not later than 30 minutes after the time fixed for the examination, the invigilator may allow him/her to appear at the examination with the permission of Superintendent of Examination. No candidate shall be allowed to appear in the examination not later than30 minutes after the time fixed.

30.14 The candidate shall strictly obey and follow all the instructions given to them from time to time by the Superintendent of Examination or Invigilators of any Official of the University connected with the Examinations

30.15 The candidate shall maintain and observe strict disciplines in and /or near the Examination Central /Hall and shall not in any such not as misbehaveour / noisence which causes any obstruction and /or disturbance or disruption in the conduct of Examination.

30.16 No candidate shall be allowed to leave the Examination Hall, until an hour has cleared after the distribution of the Question Paper.

30.17 No candidate shall leave his/her place to go out of the Hall without the permission of the invigilator, unless he/she has handed over answer book to the Invigilator concerned.

30.18 If a candidate deserve to go out of the Examination Hall for a while, a reliable person shall be sent with his/her to see that he/she does not communicate with any person or use unfair means for answering the Question Paper.

30.19 A soon as the time prescribed for the Question Paper Expires, the candidates shall have to hand over their answer book to the invigilator concerned.

30.20 A candidate appearing at an Examination shall give a specimen signature for purpose of identification, if asked by the Superintendent of Examination or the Invigilator in the Examination Hall.

Use of Unfair means / Misbehaviour:

31.1 No candidate shall bring with him/her in the Examination Hall any book, paper, notes or other materials, which may used by him/her in connection with the Examination, nor shall he/she communicable to or receive from any other candidate or person any information is the Examination Hall.

31.3 No candidate Shall move or write any thing on the blotting paper or Question Paper or on any other object/material, except the answer book supplied to him/her.

31.4 No candidate shall assist or receive from any other candidate or person at in Examination or make use of any dishonest or unfair incase in connection with the Examination.

31.4 Any candidate, detected cheating or making use of any dishonest or unfair means in connection with an Examination shall be reported to the Controller of Examinations by the Superintendent of Examination or through him by an Invigilator or an Official of the University is the may be. The Controller of Examinations shall place the aforesaid matter before the Examination Committee for consideration. which may if satisfied that

31.14 Any candidate bringing any book, paper, notes or other material to the Examination Hall shall be reported to the
Examination Committee for consideration by the Controller of Examinations, as reported by the Superintendent of Examination or through him by an Invigilator or by an Invigilator or by an Official of the University, as the case may be, and use examination committee may, if satisfied that the facts alleged are true. But that the candidate has not made any use therefore, disqualify the candidate from passing that Examining.

31.15 Any candidate who in the opinion of the Superintendent of Examinations is guilty of any misconduct in the Examination Hall, other than the disconduct within the meaning of the aforesaid Sub Para 31.1, 31.2, 31.3, 31.4, 31.5 and 31.6 of this Ordinance, may be expelled by the superintendent of examinations for the Paper and shall be reported to the Examination Committee by the Controller of Examinations. The said committee may , if satisfied that the facts alleged are true, disqualify him /her from passing that Examining for that year.

31.16 Any candidate approaching an Examiner directly or indirectly or seeking ways or means or brining pressure to be as on the Examiner, so the higher marks may be awarded to him/her than his/her answers justify or attempting to influence the Controller of Examinations or any person employed in this office for the same purpose shall be deemed to have used unfair means. Such a case shall be reported to the Examination. The Examination Committee may, if satisfied that the facts alleged are true, disqualify the candidate from passing that Examining for a period not less than one year.

31.17 Any candidate found guilty of seeking way and means or harassing or pressurizing or using or threatening to use force to make any Superintendent of E Examinations or Invigilator or any Official of the University desist from his duties relating to the conduct of Examination shall be deemed to have used unfair means and indulged in gross misconduct. Such a case shall be reported to the Examination Committee by the person concerned if satisfied that the facts alleged are true, disqualify him /her from passing that Examining for that year.

31.18 Any candidate who has been punished under Sub para 31.4, 31.5, 31.6, 31.7, 31.8 and 31.9 above shall not be admitted to any Course as a Regular Student. Such a student may be allowed to appear at the next Annual Examination only, in which he/she is entitled to appear as Ex-Student after the expury of the period of punishment.

31.19 In case, a person who is not bonafide candidate is found to be taking an examination on behalf of a bonafide candidate. It will be founded that this impersonation is being done at the instance and with the connivance of the bonafide candidate and mention against such person and such bonafied candidate would be taken as under

(i) The bonafied candidate who did not take the Examination himself/herself shall be debarred from pursuing any course of studies or from appearing at any Examination of the University in future.

(ii) In case the person who has impersonated the bonafide candidate is a student of the University, he/she shall be debarred from taking any Examination of the University in future.

(iii) If the person, who has impersonated the bonafide candidate is not a student of the University, he/she may be handed over to the police for appropriate action.

31.20 In case, a candidate is appearing at the Examination for improvement of Division/Percentage of Marks and is found to be using unfair mean, the result of his/her Examination in the Paper(s) in which he /she has already appeared, would also be cancelled, in addition to the action that might be taken against him/her for using unfair means, while reappearing for improvement of his/her Division/Percentage pf Marks.

31.21 Any punishment imparted on the carrying student shall be following due consideration of the defence prescribed by him/her.

Form 'C'
JAMIA MILLIA ISLAMIA
STUDENT'S RECORD CARD

(To be filled in by the applicant in his/her own handwriting)

Examination/programme:..... Year.....Distance Mode

Name (in full) |

Marital Status* Married ☐ Unmarried ☐ **Gender** Female ☐ Male ☐ Transgender ☐

Name in Urdu or in Hindi .....

Father's Name.....

Permanent Address.....

Present Address.....

Date of Birth ☐☐☐☐☐☐☐☐ (in words also) .....

Place of Birth.....Nationality.....

Date of Admission (Present Programme)..... Medium of Exam* Urdu ☐ Hindi ☐ English ☐

Member of Scheduled Caste* ☐ or Scheduled Tribe* ☐ Or Physically Handicapped* ☐

(*Put a tick mark (√) in the appropriate Box)

Enrolment No.

Certificate Issued **(Office use only)**	***Programme***	***Year***
	.....	.....
Provisional.....	.....	.....
Migration.....	.....	.....
Degree/Diploma.....	.....	.....
Age.....	.....	.....
Merit.....	.....	.....

Paste Firmly within the space Provided, a recent passport size (3x2") photograph duly attested on the front side

I hereby declare that all the entries made in this card are correct to the best of my knowledge.

Date …….. Specimen signature of the candidate

Information furnished by the student, his/her photo and specimen signatures are attested.

Date ……..... Hony. Director

CENTRE FOR DISTANCE AND OPEN LEARNING

Jamia Millia Islamia

Maulana Mohammed Ali Jauhar Marg, Jamia Nagar, New Delhi- 110025

http:jmi.ac.in/cdol